''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 02, अंक 125 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए मंगलवार, 06 मई 2025 samachargate@gmail.com

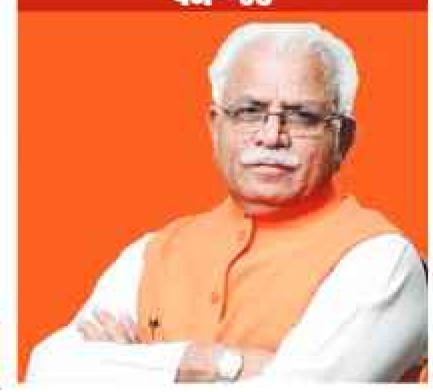

सेवा का संकल्प बना जन्मदिन : कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के जन्मदिवस पर किया रक्तदान शिविर का आयोजन

● सागर सिनेमा कार्यालय में आयोजित शिविर में 120 से अधिक लोगों ने किया रक्तदान

● पक्षियों को गर्मी से राहत देने के लिए जलपात्र भी वितरित किए गए

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी अपने संगठन के भीतर सेवा कार्यों को अत्यधिक महत्व देती है और विशेष रूप से कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने सामाजिक कार्यों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। सोमवार को केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के जन्मदिवस के अवसर पर विपुल गोयल के सेक्टर-16 स्थित सागर सिनेमा कार्यालय में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 120 से अधिक रक्तदाताओं ने रक्तदान कर खट्टर जी को सेवा रूपी जन्मदिवस का उपहार दिया।

इस अवसर पर, रक्तदान शिविर में सम्मिलित लोगों के बीच पक्षियों के लिए पानी पीने के पात्र भी वितरित किए गए। सभी लोगों से आग्रह किया गया कि वे अपने-अपने घरों की छतों और बालकनियों में जलपात्र लगाकर पक्षियों को गर्मी में राहत प्रदान करें।

गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी हर उत्सव या अवसर को सेवा-मुखी बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ती। पूर्व में भी यह देखा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर भाजपा पूरे सप्ताह को सेवा सप्ताह के रूप में मनाती आई है। हाल ही में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने अपने जन्मदिवस पर सभी उत्सव कार्यक्रम रद्द कर पुलवामा आतंकी हमले में शहीदों की आत्मा की शांति हेतु हवन-यज्ञ किया था और उसी दिन उनके समर्थकों द्वारा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया था।

सोमवार को आयोजित रक्तदान शिविर की विशेष बात यह रही कि महिलाओं ने भी समान रूप से भागीदारी निभाई और मातृशक्ति ने पूरे उत्साह के साथ शिविर को सफल बनाया। शिविर में रोटरी क्लब फरीदाबाद द्वारा रक्त संग्रह किया गया और सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल, वार्ड-36 के पार्षद कुलदीप सिंह साहनी, जिला उपाध्यक्ष पंकज सिंगला, वार्ड-35 के पार्षद सचिन शर्मा, वार्ड-37 के पार्षद मुकेश अग्रवाल, वार्ड 14 पार्षद नरेश नंबरदार , वार्ड 33 से पार्षद प्रतिनिधि रिंकू सिलानी, वार्ड 31 के पार्षद प्रतिनिधि कर्ण सिंगला, वार्ड 32 के पार्षद विनोद भाटी, पूर्व मंडल अध्यक्ष नीरज मित्तल, भाजपा नेता अजीत नंबरदार, पंडित मुकेश शास्त्री सहित स्थानीय नेतृत्व एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

मनोहर लाल खट्टर को हरियाणा के विकास को रफ्तार देने के लिए जाना जाता है : मंजू नागर

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर के जन्मदिवस पर मंत्री राजेश नागर द्वारा ग्रेटर फरीदाबाद स्थित आईएमटी कॉलेज में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें रक्तदाताओं का जोश देखते ही बनता था।

आज चंडीगढ़ में कैबिनेट मीटिंग होने के कारण राजेश नागर शहर में मौजूद नहीं थे इसलिए उनकी अनुपस्थिति में उनकी धर्मपत्नी मंजू नागर ने शिविर का उद्घाटन कर लोगों के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को प्रदेश के विकास को गति देने के लिए जाना जाता है। उन्होंने पूरे प्रदेश को समान विकास के मार्ग पर लाकर यह दिखा दिया कि नेतृत्व यदि चाहे तो कोई भी वर्ग विकास से अछूता नहीं रह सकता। आज हरियाणा विकास की नई इबादत लिख रहा है और लोगों ने तीसरी बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाई है जो स्पष्ट रूप से दिखाता है कि मनोहर लाल द्वारा लगाया पौधा आज विशाल वृक्ष बन चुका है।

इस बारे में मंत्री राजेश नागर ने फोन पर बताया कि मनोहर लाल खट्टर को राजनीति का संत कहा जाता है। उन्होंने कभी किसी से भेदभाव नहीं किया। वह कभी किसी राजनीतिक दबाव में नहीं आए और उन्होंने प्रशासनिक सुधार के लिए कड़े फैसले लिए। वह सरकार में नये थे लेकिन राजनीति उनके लिए नई नहीं थी। इसलिए उन्होंने प्रदेश की राजनीति को एक नई धार देकर शासन प्रशासन को एक सूत्र में बांधने का काम किया। यही कारण है कि आज पूरा प्रदेश उनके जन्मदिन पर जश्न मना रहा है।

केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री के जन्मदिन पर पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव ने जरूरतमंदों को भोजन कराया

निष्ठा व ईमानदारी से कार्य करने के रूप में जाने जाते हैं पूर्व सीएम

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सोमवार को पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव द्वारा रोटरी क्लब के तत्वावधान में रोटरी रसोई का आयोजन कर जरूरंद व्यक्तियों को भोजन करवाया। कनीना पंहुची संतोष यादव ने कहा कि मनोहर लाल ने पूरी निष्ठा व ईमानदारी तथा पारदर्शिता से हरियाणा प्रदेश में विकास कार्य करवाए, उसी के परिणामस्वरूप महेन्द्रगढ़ जिले में भी अभूतपूर्व विकास कार्य हुए। मनोहर लाल खट्टर की बिना पर्ची, बिना खर्ची नीति ने हरियाणा में सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और योग्यता आधारित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस नीति के तहत लाखों पात्र युवाओं को नौकरी मिली। जिससे बेरोजगारी दर घटी और सरकार की व्यवस्था में विश्वास बढ़ा। उनकी इस नीति को हरियाणा की राजनीति और समाज में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखी जाती है। उनके जन्मदिन पर रोटरी रसोई का आयोजन कर गरीब और वंचित लोगों को खाना खिलाया। संतोष यादव ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा होती है और इसी सिद्धांत पर चलते हुए उन्होंने अपने जीवन में समाज में हर वर्ग की सेवा की है। मनोहर लाल खट्टर ने 2014 से 2024 तक हरियाणा के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए अनेकों जनकल्याणकारी नीतियां लागू की जिनको आज बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। मनोहर लाल ने हरियाणा में डिजिटल प्रशासन को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की। जिनमें डिजिटल हरियाणा और सीएम विंडो सहित अनेकों योजनाएं ऑनलाईन की गई है। सीएम विंडो एक ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली थी, जिसके माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएं सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचा सकते थे। जिसके चलते प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी। विभिन्न सरकारी सेवाओं,जैसे जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र, पेंशन योजना, राशन कार्ड और संपत्ति पंजीकरण, को ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया, जिससे भ्रष्टाचार में कमी आई और आमजन तक सेवाएं आसान हुई। इस अवसर पर संतोष यादव ने उपस्थित लोगों को मनोहर लाल के जन्मदिन पर उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

पानी पर पंजाब ओछी राजनीति न करे : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

पानी एक प्राकृतिक स्त्रोत और देश की धरोहर है

बार- बार विधानसभा में प्रस्ताव पारित करना अनैतिक व भारतीय संघीय ढांचे के खिलाफ है

छोटी राजनीति छोड़कर विकास की राजनीति को अपनाए मान सरकार

समाचार गेट/नरवीर यादव

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पानी के मुद्दे पर पंजाब ओछी राजनीति कर रहा है। इससे पहले भी एसवाईएल मुद्दे पर पंजाब विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया और सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को दर किनार किया। पानी प्राकृतिक स्त्रोत है और यह देश की धरोहर है। आज भी हरियाणा के हिस्से का पीने का पानी न देने पर मान सरकार ने पंजाब विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया, जो अनैतिक है और भारतीय संघीय ढांचे के खिलाफ है।

मुख्यमंत्री आज हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक के उपरांत पत्रकारों को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज पंजाब विधानसभा में पारित प्रस्ताव सिख समाज के दसो गुरूओं द्वारा दिखाए मार्ग के खिलाफ है। मान सरकार को गुरूओं के वचन को निभाना चाहिए और बिना शर्त पानी छोडना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व आप पार्टी इंडी गठबंधन का हिस्सा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बाबा साहिब के पवित्र संविधान का सम्मान करे। संविधान की पुस्तक गांव गांव लेकर घुमते है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब विधानसभा में पारित प्रस्ताव की हरियाणा मंत्रिमंडल ने घोर निंदा की है। उन्होंने कहा कि 1966 से पहले पंजाब व हरियाणा एक ही था। मान साहब इस प्रकार की छोटी राजनीति छोडकर विकास की राजनीति को अपनाए और पंजाब के लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं पर ध्यान दे। उन्होंने कहा कि पंजाब में जो भी राजनीतिक दल रहे है पंजाब के लोगों ने एक -एक को जवाब दिया है।

मुख्यमंत्री ने मान सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि जिस प्रकार पंजाब के लोगों ने कांग्रेस को लाइन में खडा कर दिया उसी प्रकार आप को भी खडा कर देंगे। आज पंजाब विधानसभा में बीबीएमबी को भंग करने के सम्बंध में पारित किए गए प्रस्ताव पर पुछे गए एक प्रश्न के उतर में मुख्यमंत्री ने कहा कि बीबीएमबी लोकसभा से पारित एक स्वायत निकाय है और केंद्र सरकार के अधीन है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार न तो सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को मानता, न सविधान को मानता और भारतीर संघीय ढांचे की अवेहलना करता है। एक सिस्टम है उस पर देश चलता है। उन्होंने पंजाब के नेताओ से आग्रह किया है कि गुरूओं ने जो रास्ता दिखाया उस पर मान सरकार को चलना चाहिए।

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी, सुचना, जनसम्पर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री के.एम पांडुरंग, मीडिया सचिव श्री प्रवीण अत्रे भी उपस्थित रहे।

नाके पर वाहन जांच करते समय पुलिस को हाथ लगी चोरीशुदा बाइक

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना सदर थाना पुलिस टीम ने नाका लगाकर वाहन जांच करते समय एक चोरीशुदा बाइक को कब्जे में लेकर आरोपी को भी हिरासत में लिया है। बाइक चोरी के आरोपी की पहचान रामबीर वासी ताजपुर के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने दौंगड़ा अहीर बस अड्डा से बाइक चुराने की वारदात को कबूल किया है। कनीना सदर पुलिस थाना ईंचार्ज सज्जन कुमार वशिष्ठ ने बताया कि इस बारे में मुंडिया खेडा निवासी देव प्रकाश ने बीती एक मई को बाइक चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। सांय करीब साढे आठ बजे वह सब्जि लाने के लिए दौंगड़ा अहीर बस अड्डा गया था, सब्जी लेकर वापिस लौटा तो उसकी बाइक वहां पर नही मिली। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बाइक चोरी का केस दर्ज कर छानबीन शुरू की थी।

इंश्योरेंस कंपनी के सर्वेयर पर लगे रिश्वत मांगने के आरोप

रिश्वत न मिलने पर सर्वेयर द्वारा क्लेम केस में ऑब्जेक्शन लगाने के जडे आरोप

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना निवासी नरेश कुमार ने पांच महीने पूर्व मारुति इको गाड़ी खरीदी थी। जिसका फाईनेंस एनआई इंश्योरेंस कंपनी से करवाया गया था। पिछले दिनों आए तेज अंधड से उसकी गाड़ी पर पेड़ टूट कर गिर गया था। जिससे उसकी गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई थी। जिसकी सूचना उन्होंने इंश्योरेंस कंपनी के कर्मचारियों को दी थी। कंपनी के सर्वेयर अमन कुमार ने अपने कर्मचारी भेज कर गाड़ी का सर्वे करवाया था। जीरो डेपरिसेशन इंश्योरेंस होने से गाड़ी को कैशलेस ठीक करवाने के लिए कम्पनी के कोसली स्थित वर्कशॉप में भेजा गया। जहां इंश्योरेंस कंपनी की रिपोर्ट पर गाड़ी को ठीक करवाने के लिए उसका सामान भी मंगवा लिया गया। लेकिन अब इंश्योरेंस कंपनी के सर्वेयर अमन कुमार ने कोसली वर्कशॉप में ई-मेल संदेश भेजकर गाड़ी को ठीक करने से मना कर दिया। पीड़ित नरेश कुमार ने कम्पनी सर्वेयर अमन कुमार पर रिश्वत मागें के आरोप लगाए हैं। रिश्वत नहीं देने के चलते उन पर अनावश्यक ऑब्जेक्शन लगाकर खडे कर दिए हैं जिससे गाडी ठीक नहीं की जा रही है। पीड़ित नरेश कुमार ने बताया कि इंश्योरेंस कंपनी के अधिकारियों के द्वारा उन्हें रंजिशवश ऑब्जेक्शन लगाकर परेशान किया जा रहा है। ईधर एनआई कंपनी के सर्वेयर अमन कुमार ने बताया कि उन्होंने सर्वे करके गाड़ी को वर्कशॉप में भिजवा दिया था। नरेश कुमार से कुछ जानकारियां मांगी गई है तब तक गाड़ी के कार्य को ठीक करने के लिए होल्ड पर रखा गया है। रिश्वत लेने के लगाए गए आरोप बेबुनियाद एवं निराधार है।

हेल्थ प्लस

योग के मायने

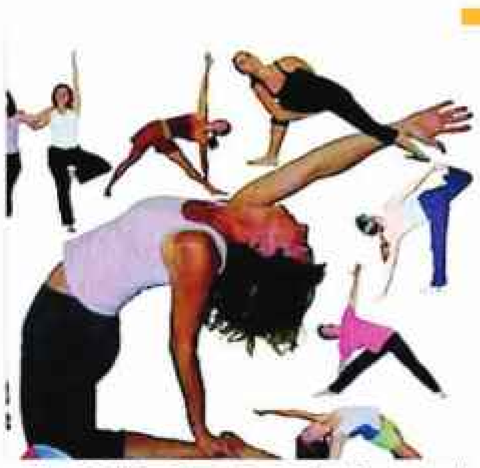

योग अपने आपमें बहुत व्यापक शब्द है और भारतीय शास्त्रों में इसके कुल आठ अंग बताए गए हैं। लेकिन फिलहाल हमारे आम शहरी समाज में इसका जो रूप प्रचलित है, वह केवल इसके दो अंगों, यानी आसन और प्राणायाम तक ही सीमित है।

वैसे तो योग का कोई भी अंग कम महत्वपूर्ण नहीं है और सच यह है कि सभी अंगों का एक-दूसरे से गहरा संबंध है। यह अलग बात है कि आज जिस तरह की आपाधापी की जिंदगी हम जी रहे हैं उसमें योग के कई उपायों पर अमल कर पाना बहुत लोगों के लिए संभव नहीं है। फिर भी अगर केवल योग के प्रचलित रूप यानी आसन और प्राणायाम का अभ्यास ही नियमित रूप से करते रहा जाए तो भी तमाम मुश्किलों से बचा जा सकता है। अगर कोई व्यक्ति पूर्ण रूप से स्वस्थ है तो उसके लिए केवल आधे घंटे का समय प्रतिदिन सूर्य नमस्कार के लिए देना पर्याप्त होगा। लेकिन अगर कोई किसी तरह की व्याधि या रोग से ग्रस्त है तो फिर उसे किसी आचार्य की देखरेख में उसके बताए हुए आसन ही करने चाहिए। ऐसी स्थिति में केवल किताबी ज्ञान के आधार पर या अपने आप कोई प्रयोग करने लगना खतरनाक साबित हो सकता है।

अगर शरीर स्वस्थ होगा तो निश्चित रूप से मन भी स्वस्थ होगा ही। इसके बावजूद सामाजिक व्यवहार में कई बार ऐसी स्थितियां बन जाती हैं जब मन खिन्न हो जाता है। इसका कारण कुछ भी हो सकता है। किसी से मामूली बात पर कहासुनी हो सकती है, किसी प्रतिस्पर्द्धी का आगे निकलना या किसी विषय पर अपनी विफलता भी हो सकती है। किसी भी व्यक्ति के लिए ये स्थितियां चिंता या कुंठा का कारण बन सकती हैं। एक बार अगर किसी तरह की कुंठा मन में घर कर ले तो फिर वह जल्दी बाहर नहीं निकलती है। पर ऐसा नहीं है कि इसे बाहर निकाला ही नहीं जा सकता है। इसका भी उपाय है और वह है योग में प्राणायाम के बाद का चरण, यानी ध्यान। दिल्ली स्थित ध्यान फाउंडेशन के योगी अश्विनी कहते हैं, ध्यान में मस्तिष्क को शून्य की ओर ले जाने की कोशिश करते हैं। इस तरह मन में जो कुछ कुंठा, हताशा या नकारात्मकता होती है, वह सब इस प्रक्रिया में अपने आप बाहर निकल जाती है। इस तरह न तो आप किसी को नुकसान पहुंचाते हैं और न स्वयं ही परेशान होते हैं। अगर नियमित रूप से इसका अभ्यास किया जाए तो बिना किसी मुश्किल के नकारात्मक सोच से पूरी तरह मुक्त हुआ जा सकता है। अब ध्यान की कई विधियां उपलब्ध हैं। अपनी प्रकृति और सुविधानुसार आप इनमें से कोई भी चुन सकते हैं।

गर्मियों के घरेलू नुस्खे

- गरमियों में जब नाक से खून आने लगे तो रोगी को कुरसी पर बिठाकर उसका सिर पीछे कर दें और हाथ ऊपर। रोगी को मुँह से साँस लेने को कहें। कपूर को घी में मिलाकर रोगी के कपाल पर लगाएँ। खून आना बंद होने पर सुगंधित इत्र सुंघाएँ।
- घमौरियों में सरसों के तेल में बराबर का पानी मिलाकर फेंट लें व घमौरियों पर लगाएँ, शीघ्र आराम मिलेगा।
- गर्मियों में अंगूर का सेवन लाभदायी होता है। इससे शरीर में तरावट रहती है।
- तेज गरमी से सिर दर्द होने पर गुनगुने पानी में अदरक व नीबू का रस व थोड़ा सा नमक मिलाकर पीने से आराम मिलता है।
- जोड़ों के दर्द में एक गिलास गर्म पानी में नीबू निचोड़कर दिन में 8 से 10 बार पिएँ ।
- जोड़ों पर नीम के तेल की हल्की मालिश करने पर आराम मिलता है।
- लौकी का गूदा तलवों पर मलने से उनकी जलन शांत होती है।
- शरीर में किसी भी भाग या हाथ-पैर में जलन होने पर तरबूज के छिलके के सफेद भाग में कपूर और चंदन मिलकर लेप करने से जलन शांत होती है।

घरेलू उपाय : अवश्य आजमाएँ

- बैंगन के भरते में शहद मिलाकर खाने से अनिद्रा रोग का नाश होता है। ऐसा शाम को भोजन में भरता बनाते समय करें।
- संतरे के रस में थोड़ा सा शहद मिलाकर दिन में तीन बार एक-एक कप पीने से गर्भवती की दस्त की शिकायत दूर हो जाती है।
- गले में खराश होने पर सुबह-सुबह सौंफ चबाने से बंद गला खुल जाता है।
- नीबू को काटकर उसकी एक फाँक में काला नमक और दूसरे में काली मिर्च का चूर्ण भरकर आग पर गर्म करके चूसना चाहिए। इससे मंदाग्नि की शिकायत दूर हो जाती है।
- रात को मेथी के दाने पानी में भिगोकर रख दीजिए। सुबह उठकर दातुन कर वह पानी पीकर मेथी के दाने धीरे-धीरे चबा लीजिए डायबिटीज धीरे-धीरे ठीक हो जाएगा।
- नासूर हो जाने पर यह जल्दी ठीक नहीं होता। यदि लापरवाही बरती गई तो यह और खतरनाक हो जाता है। पंसारी की दुकान से कमेला पावडर (एक तरह का लाल पावडर) लाएँ व इसे नासूर पर बुरक दें, इससे पुराने से पुराना नासूर भी ठीक हो जाता है।

मस्से का घरेलू इलाज

मस्सा: शरीर पर कहीं भी मस्से हो जाने से कष्ट हो या न हो पर कुरूप तो लगता ही है। मस्सा खत्म करने के लिए एक अगरबत्ती जला लें और अगरबत्ती के जले हुए गुल को मस्से का स्पर्श कर तुरन्त हटा लें।

ऐसा 8-10 बार करें, इस उपाय से मस्सा सूखकर झड़ जाएगा। ज्यादा मस्से हों तो बारी-बारी से सभी मस्सों को इसी विधि से जलाकर झड़ा दें। ध्यान रहे, अगरबत्ती का स्पर्श सिर्फ मस्से पर ही होना चाहिए। यह नुस्खा परीक्षित है।

काँटा लगने पर : एक चम्मच अजवायन और एक चम्मच तम्बाकू के चूरे को दो चम्मच गुड़ में मिलाकर टिकिया बना लें। जहाँ काँटा लगा हो उस पीड़ित स्थान पर रात को टिकिया दबाकर पट्टी बाँध दें और सो जाएँ। सुबह काँटा या काँच (जो भी चुभा होगा) स्वयं निकल जाएगा।

चेतावनी : उपरोक्त उपाय अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए हैं लेकिन अमल में लाने से पूर्व किसी चिकित्सक या वैद्य की सलाह अवश्य लें।

सांसों को रखें फ्रेश

किसी से बात करते समय अगर सामने वाले के मुंह से बदबू आए, तो ऐसे में हम उसे अवोइड करना शुरू कर देते हैं। कार्य के दौरान ऐसे बहुत से लोग मिल जाएंगे, जिनके मुंह से बदबू आती है। मुंह से दुर्गन्ध आने को लोग मामूली समस्या समस्या समझते हैं, लेकिन अगर आप समय रहते ध्यान नहीं देते हैं तो आपके व्यक्तित्व पर गलत प्रभाव पड़ सकता है। वर्ल्ड हैल्थ-डे पर हम आप को बता रहे है कुछ छोटी-छोटी बातें, जिसके जरिए आप अपनी सांसों को महका सकते हैं।

जीभ रोज साफ करें

भोजन करने के दौरान खाद्य पदार्थ की एक हल्की-सी परत जीभ पर चिपकी रह जाती है। दिनभर में यह परत जीभ पर जमते-जमते मोटी हो जाती है, जिससे जीभ का रंग दूधिया दिखने लगता है। इसे नियमित साफ करें।

मुंह की सफाई पर ध्यान दें

सुबह की चाय, नाश्ता, लंच व डिनर के बाद, सोने से पहले कुल्ला करें और दांत, जीभ, मसूड़े साफ करने का रूटीन बनाएं। दांतों और मसूड़ों में चिपका भोजन का अंश बैक्टीरिया पनपने का एक कारण हो सकता है। दांतों का सड़ना, टूटना, दुखना, मुंह से दुर्गंध आना आदि कई रोगों का कारण बन सकते हैं।

दुर्गन्धनाशक का प्रयोग करें

जिस तरह परफ्यूम, इत्र लगाने से पसीने की बदबू दूर हो जाती है और आप तरोताजा महसूस करने लगते हैं, उसी तरह दुर्गंधनाशक द्रव से मुंह में कुल्ला करने से आप पूरे दिन फ्रेश महसूस कर सकते हैं। ब्रश करने के बाद इस द्रव से कुल्ला करें और थूक दें। ऐसा करने से दांतों व मसूड़ों में बैक्टीरिया पनप नहीं पाते। जिसकी वजह से बदबू आनी बंद हो जाती है।

मुंह में नमी बनाए रखें

मुंह के अंदर जो लार बनती रहती है, वह भोजन को पचाने में बहुत सहायक होती है। सूखे मुंह में बदबू आने की संभावना अधिक रहती है। यही कारण है कि रात की नींद के बाद सुबह मुंह से बदबू आती है। मुंह में लार कम में बनती है, तो चुइंगम चबाने से नमी कायम रखी जा सकती है। दिन में एक सेब खाने से उसके गूदे के माध्यम से दांतों व मसूड़ों में चिपका भोजन निकल जाता है और जीभ साफ हो जाती है।

रेगुलर चैकअप कराएं

महीने में एक बार डॉक्टर से अपने दांतों का चैकअप कराएं। इससे मुंह से संबंधित बीमारी का आसानी से पता लगाया जा सकता है और विभिन्न प्रकार की समस्याओं से बचा जा सकता है।

गुर्दा रोग उपचार के

कैंसर और हृदय रोगों के बाद गुर्दा रोग तीसरी जानलेवा बीमारी है। गुर्दा फेल होने के बाद गुर्दे का प्रत्यारोपण ही सबसे श्रेष्ठ उपचार है। लेकिन, एक कड़वी सच्चाई यह है किडनी फेलियर के सिर्फ 2.5 प्रतिशत रोगियों को ही ट्रांसप्लांट हो पाता है। इसके पीछे कई कारण हैं जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर संबंधी, वित्तीय एवं सामाजिक।

प्रति 10 लाख लोगों में से 100 लोग गुर्दे की बीमारी से मरते हैं। हर साल 60 हजार किडनी ट्रांसप्लांट की आवश्यकता है। किडनी फेलियर के केवल 2.5 प्रतिशत मरीजों के ही गुर्दा प्रत्यारोपण हो पाता है। गुर्दा प्रत्यारोपण के अभाव में मरीजों को बड़ी संख्या में डायलिसिस की आवश्यकता होती है किंतु मात्र 22.5 प्रतिशत लोगों को डायलिसिस नसीब हो पाता है। इतना तय है कि किडनी फेलियर के मरीज को नया गुर्दा न मिलने पर डायलिसिस पर जिंदा रहना होता है। लेकिन, ऐसे मरीजों के लिए भी यह सुलभ उपचार नहीं है। डायलिसिस चाहने वाले एक चौथाई से भी कम मरीजों को यह मिल पाता है।

किडनी की बीमारियों से बचने के लिए

मधुमेह को नियंत्रित रखें। अत्यधिक तनाव से बचें। दर्दनिवारक दवाइयों से बचें। नियमित रूप से गुर्दो का चेकअप करवाते रहें। पेरिटोनियल डायलिसिस [पीडी] पेरिटोनियल डायलिसिस के तहत पेट की लाइनिंग या पेरिटोनियल मैम्ब्रेन को कुदरती फिल्टर की तरह प्रयोग कर रक्तधारा से गंदगी को निकाल दिया जाता है, इसलिए यह तरीका शरीर के भीतर काम करता है। कैथेटर कही जाने वाली एक छोटी ट्यूब छिद्र द्वारा पेट में डाली जाती है और फ्लूइड को पेट में इंजेक्ट किया जाता है। इस तरह डायलिसिस फ्लूइड पेरिटोनियल मैम्ब्रेन से फालतू पानी और अवांछित पदार्थों को निकाल लेता है।

हीमोडायलिसिस

दूसरी तरफ हीमोडायलिसिस के तहत मरीज का खून शरीर के बाहर निकाल कर नकली फिल्टरों युक्त एक डायलिसिस सरकिट से गुजारा जाता है। ये फिल्टर अवशिष्ट पदार्थों को निकाल कर रक्त को वापस शरीर में पहुंचा देता है। हीमोडायलिसिस [एचडी] करवाने के लिए रोगी को हफ्ते में तीन बार डायलिसिस केंद्र तक जाना पड़ता है। इसके लिए जो सैटअप चाहिए उसकी वजह से खर्चा भी बढ़ जाता है।

सीएपीडी पेरिटोनियल डायलिसिस की सबसे अधिक प्रयोग की जाने वाली पद्धति है। इसे मरीज खुद घर पर कर सकता है, इस तरह उसे डायलिसिस सेंटर तक जाने-आने से छुट्टी मिल जाती है। यानी की दूर दराज क्षेत्रों में बसने वाले मरीज इसका लाभ उठा सकते हैं। चूंकि इसे स्थापित करने के लिए कोई निवेश नहीं करना पड़ता इसलिए यह किफायती भी है। एक और खास बात कि हीमोडायलिसिस के विपरीत पेरिटोनियल डायलिसिस में डिस्पोजेबल्स को दोबारा प्रयोग नहीं किया जाता।

पेरिटोनियल डायलिसिस [पीडी] बेहतर सिद्ध हुआ है। पीडी निरंतर होने वाला डायलिसिस है ,इसलिए इससे किडनी अधिक बेहतर तरीके से काम करती है। रू बिन ऐट ऑल द्वारा किए गए अध्ययन से पता लग कि पीडी का प्रयोग करने वाले मरीजों का उपचार एचडी करने वालों के मुकाबले अधिक अच्छा हो रहा है। चॉइस [चॉइसेस फॉर हेल्दी आउटकम्स इन केरिंग फॉर एंड स्टेज रीनल डिजीज] कहलाने वाली यह स्टडी जरनल ऑफ अमरीकन मेडिकल एसोसिएशन में प्रकाशित हुई थी। काबिले गौर है कि 8 साल से कम उम्र के मरीजों के लिए पीडी की सिफारिश की जाती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रखें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता होगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनों के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। स्वविवेक से कार्य करें। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3521

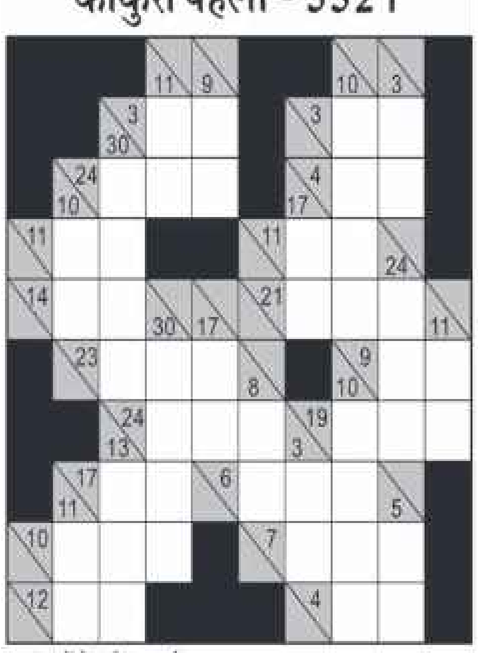

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

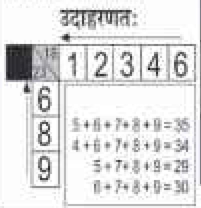

काकुरो - 3520 का हल

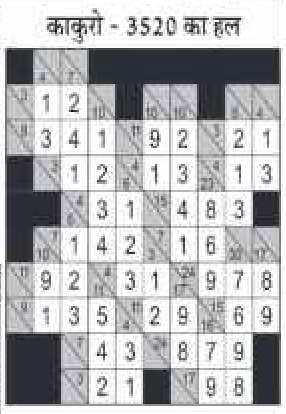

हंसी के फूव्वारें

तुम्हारे घर में किसका शासन चलता है ?

अपनी जगह सभी शासन करते हैं.

वह कैसे ?

मेरी पत्नी बच्चों पर शासन करती है, बच्चे नौकरों को डांटते रहते हैं और मैं कुत्ते-बिल्लयों को झिड़कता रहता हूं.

□ □ □

मोहन तुम आजकल स्कूल में कैसे चल रहे हो ?

मोहन बोला- वाह पापाजी, मैं कभी आपसे आपके ऑफिस के बारे में बात करता हूं ?

□ □ □

थका हुआ पति: आज शाम का घूमना तो रद्द करो.

पत्नी: आप तो सवेरे से ही कह रहे थे मैं तो तभी से मेकअप कर रही थी अब पूरा हुआ तो आप मना करने लगे.

□ □ □

दस साल के एक लड़के का दांत निकालने के बाद डॉक्टर ने उसके बाप से कहा-लाओ पांच रुपये.

पांच रुपये ? मगर आपने तो पहले कहा था कि आप दांत उखाड़ने का एक रुपया लेते हैं.

ठीक है, मगर आपके लड़के की चिल्लाहट सुनकर दांत उखड़वाने के लिए आये हुए मेरे चार रोगी भी तो चले गये.

फिल्म वर्ग पहेली- 3521

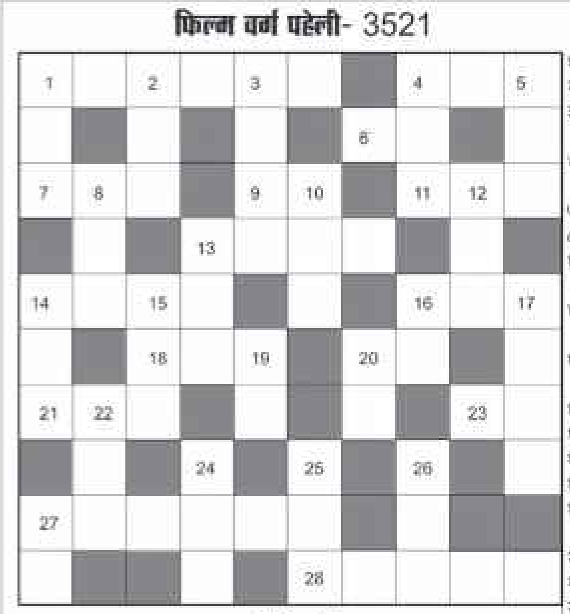

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' को भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, सवीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरुद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3520

सूडोकु -3521

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3520 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 3521

बाएँ से दाएँ

1.कार्य,काम-2
2.अग्नि,अमल-2
3.संग,संगत-2
4.मदिरा,शराब-2
6.चुटीली बात-2
7.उम्मीद-2
8.समाचार,सूचना-3
9.भगवान कृष्ण के खेल-2
10.छाया,परछाई-2
11.कहासुनी-3
12.जी,चित-2
13.निशा-2
14.पासों का खेल-3
16.करीना की फिल्म-2
17.आगे वाला-3
18.सीधा,सरल-2
19.वीर,बहादुर-2
20.दलदल,गाद-3
21.तार,टेलीग्राम -2
22.वंश,खानदान-2
23.नशा,नशापानी-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.सती का विलोम-3
27.ठिकाना-2
28.प्राण,दम-2
29.नरक (उर्दू-3)
30.बीता हुआ दिन-2
31.पोखर,तालाब-2
32.हलाहल-3
33.दर,मूल्य-2
34.आयु-2
36.अंधकार-2
37.पांव,पैर-2
38.कान्ता-2
39.टैक्स,हाथ-2

ऊपर से नीचे

1.समय,वक्त-2
2.आगमन-2
3.पति की मां-2
4.भोर,सवेरा-3
5.झगड़ा-2
6.लॉक,द्वारयंत्र-2
7.धाय,नर्स,दाई-2
8.अवरोध,रुकावट-3
9.मगन,मग्न-2
10.सप्त,सप्तम-2
11.लक्ष्मी,रमा-3
12.मौज,मजा-2
13.महाराजा-2
14.घिसन,रगड़-3
15.गमन,जाना-2
16.पुनः,वापस-2
17.स्थिर-3
18.निष्कर्ष-2
19.कांटा-2
20.मूल्य,दाम-3
21.पितामह-2
22.मजदूर-2
23.ईश्वर-3
24.भूल,गलती-2
25.मछली-2
26.नगमा-3
27.क्षण-2
28.पाश-2
29.दूसरा-3
30.थोड़ा-2
31.तांबा-2
32.हमला-2
33.कलंक-2
34.गरम-2
35.मयूर-2

शब्द पहेली -3520 का हल

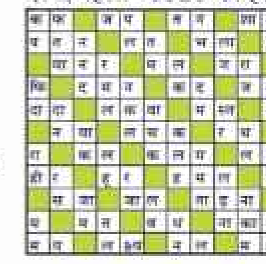

संपादकीय

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन के फैसले पर क्या करेगी बीजेपी?

राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा और कांग्रेस में अनगिनत मुद्दों पर मतभेद हैं लेकिन जब भी बात पश्चिम बंगाल की आती है तो दोनों पार्टियों के स्थानीय नेता एक ही सुर में बोलते हुए नजर आते हैं। पश्चिम बंगाल में नेता चाहे कांग्रेस पार्टी के हो या फिर भारतीय जनता पार्टी के, दोनों ही एक ही सुर में राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते रहते हैं। पश्चिम बंगाल में दोनों ही दलों के स्थानीय नेताओं का यही आरोप रहता है कि राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और ममता बनर्जी सही तरीके से सरकार चला नहीं पा रही है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

बीजेपी की केंद्र में सरकार होने के बावजूद राज्य भाजपा के नेता लगातार पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति ध्वस्त होने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग करते रहते हैं। बीजेपी के पश्चिम बंगाल प्रदेश के नेता पिछले कुछ वर्षों के दौरान, कई बार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर चुके हैं।

हालांकि कई वजहों से केंद्र में बीजेपी के नेतृत्व में चल रही एनडीए गठबंधन की सरकार ममता बनर्जी सरकार को बर्खास्त कर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने से बचती रही है। दरअसल, बीजेपी को सबसे बड़ा डर यह सताता रहता है कि अगर उनकी केंद्र सरकार ने ममता बनर्जी सरकार को बर्खास्त कर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगा दिया तो विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की फिर से जीत सुनिश्चित हो जाएगी।

यही वजह है कि राज्य की सरकार पर हिंसा करवाने, बीजेपी नेताओं पर हमला करवाने, विरोधी नेताओं पर हमला करवाने, हिंदुओं पर हमला करवाने और कट्टरपंथी ताकतों को बढ़ावा देने जैसे गंभीर आरोप लगाने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य में राष्ट्रपति शासन नहीं लगाना चाहते हैं।

लेकिन पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस की एक रिपोर्ट ने केंद्र सरकार की दुविधा को बढ़ा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राज्यपाल ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में प्रदर्शन के दौरान मुर्शिदाबाद इलाके में हुई हिंसा की रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंप दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंपी गई रिपोर्ट में राज्यपाल ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि कट्टरपंथ और उग्रवाद की दोहरी समस्या राज्य के लिए गंभीर चुनौती बन गई है। रिपोर्ट में बांग्लादेश के साथ लगते पश्चिम बंगाल के दो जिलों- मुर्शिदाबाद और मालदा में हालात भयावह तौर पर खराब होने का जिक्र किया गया है।

राज्यपाल ने सीधे तौर पर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश तो नहीं की है लेकिन यह जरूर लिख दिया है कि अगर राज्य में स्थिति और ज्यादा बिगड़ती है तो केंद्र संविधान के अनुच्छेद-356 के प्रावधानों को लागू करने पर विचार कर सकती है।पश्चिम बंगाल में वर्ष 2026 यानी अगले साल विधानसभा का चुनाव होना है। बीजेपी जोर-शोर से चुनाव की तैयारियों में जुटी हई है। पार्टी आलाकमान का यह दावा है कि इस बार बीजेपी राज्य में सरकार बनाने जा रही है। लेकिन इससे पहले ही राज्यपाल की इस रिपोर्ट ने पार्टी के आला नेताओं की दुविधा को बढ़ा दिया है। केंद्र सरकार को चलाने वाले नेता अब तक अपने ही नेताओं की पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग को खारिज करते रहे हैं लेकिन राज्यपाल की इस रिपोर्ट के बाद अब ममता बनर्जी सरकार को बर्खास्त करने की मांग को इतनी आसानी से नकारा नहीं जा सकता।

ध्यानार्थः

हिन्दी दैनिक समाचार गेट एंव city24news.in द्वारा कवरेज की गई आपकी खबरों को आप यहां नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करके भी देख सकते हैं।

अगर आप हिन्दी दैनिक समाचार गेट की प्रिंट कॉपी लेना चाहते हैं तो आप फरीदाबाद ओल्ड रेड लाइट पर न्यूज पेपर स्टॉल से एंव गोपाल न्यूज पेपर एजेंसी अंबेडकर चौक बल्लभगढ से प्राप्त कर सकते हैं।

न्यूज पोर्टल पर देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
https://city24news.in/

फेसबुक पर देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
https://www.facebook.com/city24news.in

ई-पेपर देखने के लिए इस लिंक पर देखें
https://city24news.in/e-paper

आप अपनी खबर अथवा सूचना भेजने के लिए
samachargate@gmail.com
या 9818180269 पर भी भेज सकते हैं।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569

आवश्यकता है

- हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
- उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
- ग्रामीण संवाददाता
- फोटोग्राफर
- विज्ञापन प्रतिनिधि

इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

मनोहर लाल के जन्मदिवस पर विशेष

हरियाणा की राजनीति के चौथे बड़े लाल बने मनोहर

समाचार गेट/ब्यूरो

कहते हैं मेहनत और किस्मत जब दोनों मिल जाती हैं तो कोई भी मंजिल मुश्किल नहीं रहती। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में कद्दावर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर मेहनत और किस्मत का संगम है। यहां कहना गलत नहीं होगा कि मनोहर लाल का एम मेहनत है तो खट्टर का के किस्मत का प्रतीक है। मनोहर लाल खट्टर मध्यमवर्गीय किसान परिवार से आते हैं। उनका आरम्भिक जीवन गांव देहात के माहौल में गुजरा है। बाद में उनके परिवार ने खेती करना आरंभ कर दिया और सब्जी उगाने लगा। मनोहर लाल खट्टर उन दिनों परिवार के साथ ही काम करते थे। वे खेत से सब्जी तोड़ते और फिर उन्हें उठाकर साईकिल पर लादकर रोहतक की सब्जी मंडी लेकर जाते थे और मंडी में सब्जी पहुंचाने के बाद ही वे स्कूल जाते थे। इतना संघर्षमयी जीवन और डॉक्टर बनने की चाहत ऐसे में खट्टर पढाई में बहुत अच्छे थे। उनकी गणित पर अच्छी पकड़ थी। मनोहर लाल बचपन में बहुत कम बोला करते थे। वे स्वभाव से गंभीर थे। उनके पिता उन्हें व्यापारी बनाना चाहते थे। लेकिन उनकी किस्मत में तो राजयोग लिखा था। इस राजयोग को पूरा करने के लिए उन्होंने बड़ा संघर्ष किया और मेहनत और किस्मत के दम पर 10 साल हरियाणा के मुख्यमंत्री बनकर रहे और उसके बाद अब केंद्र सरकार में ऊर्जा एवं शहरी आवास मंत्रालय संभाल रहे हैं।

दूसरे अनेक लोगो की भांति खट्टर भी किशोर अवस्था में आगे की दिशा को तय नहीं किया था। दसवीं पास करने के बाद वे दिल्ली के सदर बाजार में कपड़े की दूकान चलाने लगे। उनके बड़े भाई ने सब्जी बेचकर खट्टर को पढ़ाया। खट्टर का परिवार बुरी तरह से गरीबी झेल रहा था। यही कारण था कि उन्होंने दूकान चलाने का निर्णय लिया। दिल्ली में रहते-रहते खट्टर दिल्ली विश्वविद्यालय से पढाई करने लगे। यहीं से वह आरएसएस से जुड़ गए। वे संघ के नियम को कड़ाई से पालन करते थे और अपने जीवन को देश के लिए लगाना चाहते थे।

मनोहर लाल खट्टर का जन्म 5 मई 1954 को रोहतक के निंदाणा गांव में हुआ था। उनका परिवार पाकिस्तान से आकर यहां बसा था। कुछ साल बाद परिवार ने पास के गांव बनियानी में खेती की जमीन खरीद ली और वहीं रहने लगा। हजारों विस्थापित परिवारों की तरह मनोहर के परिवार को भी आजीविका के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

उनके पिता और दादा शुरुआती दिनों में मजदूरी करते थे। बाद में उन्होंने निंदाणा गांव में दुकान खोल ली। मनोहर लाल के पिता हरबंस लाल चाहते थे कि बेटा खेती में उनका हाथ बंटाए, लेकिन बेटे की इच्छा डॉक्टर बनने की थी। रोहतक के नेकीराम कॉलेज से 10वीं करने के बाद मनोहर आगे की पढ़ाई और मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी के लिए एक रिश्तेदार के पास दिल्ली चले गए। रिश्तेदार की दिल्ली के सदर बाजार में कपड़े की दुकान थी।

मनोहर लाल खट्टर बताया करते हैं कि 'रोहतक मेडिकल कॉलेज में एक नंबर से मैं चूक गया। मेरा दाखिला नहीं हो पाया। इसके बाद मैंने एम्स और आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज में दाखिले के लिए तैयारी शुरू कर दी, लेकिन इनका एंट्रेंस टेस्ट भी मैं पास नहीं कर सका। एक परिचित मुझे गोवा में डोनेशन पर प्राइवेट कॉलेज में एडमिशन दिला रहे थे। 30 हजार रुपए डोनेशन लग रहा था। जब उन्होंने घर में डोनेशन की बात बताई तो सबने मना कर दिया। उनके पिता का कहना था कि इतने पैसे में तो तुम अपना काम शुरू कर सकते हो। इसके बाद उन्होंने पिताजी से 15 हजार रुपए लेकर दिल्ली के सदर बाजार में कपड़े की दुकान खोली।

संघ से जुड़ने के लिए करना पड़ा संघर्ष

मनोहर ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीए किया है। पढ़ाई के दौरान ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए और 1977 में संघ से जुड़ गए। 1979 में प्रयागराज में विश्व हिंदू परिषद की सभा में उनकी मुलाकात संघ के कई पदाधिकारियों और परिषद के संतों से हुई। धीरे-धीरे संघ के प्रति उनका लगाव गहरा होता गया। बाद में वे संघ के फुल टाइम प्रचारक बन गए। खट्टर ने 1979 में तय किया कि उन्हें संघ प्रचारक बनना है। उसी साल उनके छोटे भाई जगदीश ने बीकाम पास किया। मनोहर लाल ने उससे कहा- तुम्हारी पढ़ाई अब ठीक-ठाक हो गई है। अब मेरे साथ बिजनेस संभालो। भाई ने कहा कि आपका बिजनेस तो चलता रहेगा, मुझे कोई नया बिजनेस करा दो। उस समय तक संघ को लेकर उन्होंने अपनी प्लानिंग के बारे में किसी को बताया नहीं था। छोटे भाई से कहा कि एक साल तक मेरे साथ बिजनेस संभालो। बाद में तुम्हें अलग करना होगा तो अलग कर लेना। इसके बाद व्यापार के साथ साथ लगातार संघ में सक्रिय रहे। फिर अपने छोटे भाई को बिजनेस सौंप कर संघ प्रचार के लिए निकल गए। जब मनोहर लाल प्रचारक बने तो घर वालों को लगता था कि तीन साल बाद लौट आएगा। तीन साल पूरा होने के बाद पिता जी ने अक्सर कहना शुरू कर दिया कि अब घर लौट आओ, लेकिन वह हर बार मना कर देता। मनोहर लाल भाई-बहनों में बड़े थे तो शादी का दबाव भी उन पर बढ़ रहा था। फिर उन्होंने पिता से जिद करके छोटे भाई की शादी करा दी। तब मनोहर लाल को लगा कि अब पिता जी समझ जाएंगे कि वो लौटना नहीं चाहता, लेकिन वे लगातार लौटने के लिए कहते रहे। मनोहर लाल जी ने एक बार बताया कि एक दिन उन्होंने कठोर मन से पिता जी से कह दिया कि आपके पांच बेटे हैं। दिल्ली में इतनी भीड़ है, ट्रैफिक है, इधर-उधर से गाड़ियां आती-जाती रहती हैं। टक्कर लगती है और जान चली जाती है। हम 13 दिन उसे याद करते हैं और फिर भूल जाते हैं। क्या आप ये नहीं सोच सकते कि आपके पांच नहीं चार ही बेटे हैं। पिता जी ने कहा कि ठीक है आज के बाद मैं तुझे वापस आने के लिए नहीं कहूंगा।'

हाजिर जवाब मनोहर लाल

बात 1994 की है। जगाधरी में संघ शिक्षा वर्ग चल रहा था। आखिरी दिन सरसंघचालक रज्जू भैया का भाषण चल रहा था। तभी प्रांत प्रचारक जी मनोहर लाल के पास से गुजरे। उन्होंने मनोहर लाल से कहा, हम सोच रहे हैं कि आपको बीजेपी में संगठन मंत्री के रूप में भेजा जाए। उन्होंने बहुत कैजुअल तरीके से बताया तो मनोहर लाल ने भी मजाक के अंदाज में पूछ लिया कि ये सीटी आपको दे दूं या प्रार्थना करा लूं। इस पर उन्होंने कहा कि तुम्हें इतनी भी क्या जल्दी है। तब मनोहर लाल ने कहा कि मुझे जल्दी नहीं है, लेकिन आपको ये बात बताने के लिए अभी ही समय मिला था क्या।

जब मनोहर लाल बोले, यह डेढ़ लाख का कर्ज में कैसे चुकाऊंगा

1994 में मनोहर लाल को संघ से प्रदेश भाजपा का संगठन महामंत्री बनाया गया। उनके कार्यभार संभालते ही उन्हें बताया गया है कि प्रदेश पार्टी पर करीब डेढ़ लाख रुपए का कर्जा है। अब इसे आपको ही उतारना है। इस पर खट्टर ने हैरान होकर पूछा यह कर्ज कैसे हो गया? तो उन्हें बताया गया कि नए प्रदेश अध्यक्ष रमेश जोशी ने लोन पर एक कार खरीदी है। खट्टर को पार्टी चलाने की ज्यादा जानकारी नहीं थी और उस पर आते ही कर्ज के बारे में पता चल गया तो परेशान हो गए। उस समय सुषमा स्वराज हरियाणा की प्रभारी थी। मनोहर लाल ने सुषमा स्वराज से इस बारे में बात की। तब सुषमा स्वराज ने उन्हें कहा कि पार्टी अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी का थैली भेंट कार्यक्रम करवाओ। इस कार्यक्रम में जितना पैसा चंदे के तौर पर आएगा उसका 15% प्रदेश फंड में आएगा। इस कार्यक्रम से प्रदेश भाजपा को करीब साढे तीन लाख रुपए मिले और लोन चुकता हो गया।

जब मनोहर लाल ने खाई कसम

यह 1999 की बात है। हरियाणा में भाजपा और हरियाणा विकास पार्टी के गठबंधन की सरकार थी। चौधरी बंसीलाल मुख्यमंत्री थे। एक दिन भाजपा के संगठन मंत्री मनोहर लाल मुख्यमंत्री बंसीलाल से मिलने गए। कुछ देर बाद सीएम ने मैसेज भिजवाया, 'भाजपा के संगठन मंत्री हमारी पार्टी के संगठन मंत्री से मिल लें। मुझसे मिलने की जरूरत नहीं है।' भाजपा के संगठन मंत्री को ये बात चुभ गई। उन्होंने कसम खाई कि जब तक बंसीलाल की सरकार नहीं गिरेगी, तब तक वे अपनी दाढ़ी नहीं कटाएंगे। 22 जून को भाजपा ने समर्थन वापस ले लिया। 25 जून को फ्लोर टेस्ट हुआ। कांग्रेस की मदद से तब बंसीलाल ने सरकार तो बचा ली, लेकिन अगले ही महीने कांग्रेस ने भी समर्थन वापस ले लिया। 24 जुलाई को बंसीलाल की सरकार गिर गई। भाजपा के संगठन मंत्री मनोहर लाल खट्टर का संकल्प पूरा हुआ। उसके बाद ही उन्होंने दाढ़ी कटवाई।

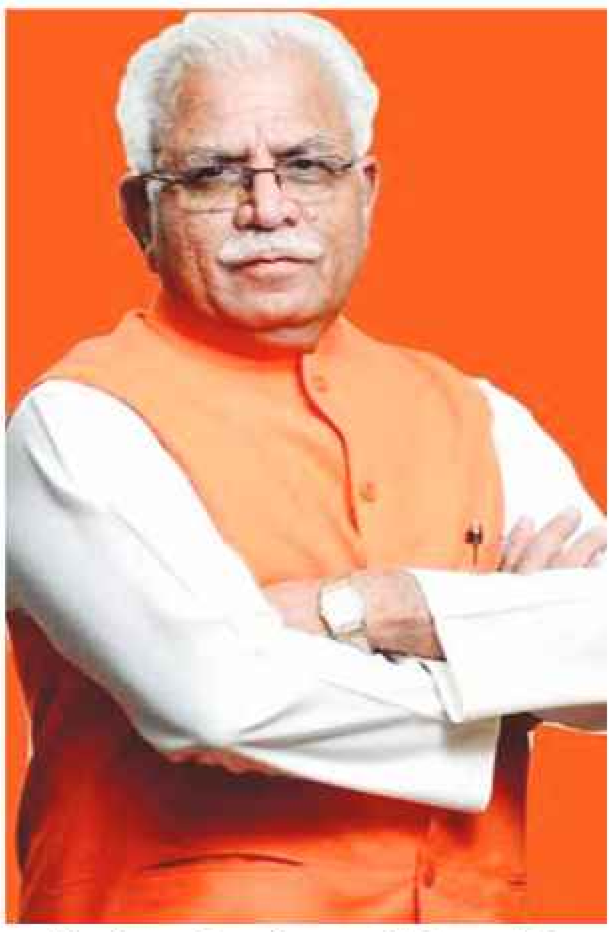

पहली बार विधायक बने मनोहर बने मुख्यमंत्री

1999 में मनोहर लाल ने बंसीलाल की सरकार गिराने की कसम खाई थी। इसके 15 साल बाद हरियाणा में भाजपा को अपने बलबूते बहुमत मिला। उस समय रामबिलास शर्मा, अनिल विज, कैप्टन अभिमन्यु और ओमप्रकाश धनखड़ जैसे नाम मुख्यमंत्री पद के लिए चल रहे थे। मनोहर लाल ने हरियाणा लोकसभा के लिए चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष के रूप में काम करते हुए हरियाणा में भाजपा को पहली बार 10 में से सात लोकसभा सीटों पर जीत दिलवाने का काम किया था। इस जीत के बाद वह हरियाणा में सक्रिय हुए और इसी साल अक्टूबर में विधानसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा को अपने बलबूते सत्ता में लाने का काम किया। जब सीएम चुनने की बारी आई तो भाजपा हाईकमान ने पहली बार विधायक बने मनोहर लाल के नाम पर अपनी मोहर लगा दी। इसके बाद मनोहर लाल लगातार 10 साल मुख्यमंत्री बने रहे। हर कोई इस बात से हैरान था कि मनोहर लाल का नाम कैसे आ गया? लेकिन उनका नाम आ चुका था। बाद में सभी को पता चला कि मनोहर लाल की नरेंद्र भाई मोदी से गहरी दोस्ती है।

मनोहर को कंप्यूटर सिखाया था मोदी ने

यह किस्सा अपने आप में बड़ा रोचक है। यह किस्सा खुद मनोहर लाल खट्टर ने एक बार सार्वजनिक किया था। मनोहर लाल कंप्यूटर के जानकार हैं। मनोहर लाल को कंप्यूटर सिखाने का काम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। यह बात 1996 की है। जब मनोहर लाल की पहली बार मुलाकात नरेंद्र भाई मोदी से रोहतक में हुई। वह एंबेसडर कार से आए थे। आते ही उन्होंने एक लड़के को गाड़ी में से डिब्बे निकालने को कहा। डिब्बे खोले गए। तब नरेंद्र भाई मोदी ने पूछा, मालूम है यह क्या है? मनोहर लाल ने जवाब दिया छोटे टीवी जैसा लग रहा है। तब नरेंद्र भाई मोदी ने कहा कि यह कंप्यूटर है। इससे बहुत से काम किए जा सकते हैं। उन्होंने इंटरनेट और ईमेल के बारे में भी बताया। मनोहर लाल के लिए यह नई चीज थी इसके बाद उन्होंने कंप्यूटर सीखा फिर इतनी रुचि हो गई कि आगे उन्होंने एक लैपटॉप ले लिया और उस पर पार्टी का काम करने लगे। कंप्यूटर में इसी रूचि का परिणाम था कि उन्होंने सत्ता में आने के बाद हर काम कंप्यूटराइज्ड करने का किया।

मोदी, मनोहर और बाइक

1996 में नरेंद्र मोदी हरियाणा के प्रभारी बनाए गए। इसी दौरान उनकी मुलाकात खट्टर से हुई। 11 मार्च 2024 को मोदी ने एक सभा में बताया था कि वे जब हरियाणा के प्रभारी थे तो मनोहर लाल खट्टर की बाइक पर पीछे बैठकर घूमते थे। 2002 में मनोहर को जम्मू- कश्मीर का प्रभारी बनाया गया। इसी साल गुजरात में भी चुनाव होने थे। तब तक नरेंद्र मोदी गुजरात के सीएम बन चुके थे। उन्होंने मनोहर को कच्छ जिले में इलेक्शन मैनेजमेंट करने बुलाया। दरअसल, 2001 के भूकंप के बाद हुए राहत कार्यों से इलाके के लोगों में असंतुष्टि और आक्रोश था, लेकिन मनोहर के चुनाव अभियान से भाजपा ने 6 में से 3 सीटें हासिल कीं। इस जीत पर मोदी ने कहा कि ये सीटें हमारे लिए बोनस हैं। 2004 में मनोहर को दिल्ली और राजस्थान सहित करीब 12 राज्यों का प्रभारी बनाया गया। उन्होंने आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक बालासाहेब आप्टे के साथ 'चुनाव सहायक योजना' पर भी काम किया। इसके बाद उन्हें पांच राज्यों- जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। मनोहर के प्रभारी रहते ही भाजपा ने जम्मू-कश्मीर चुनाव में पहली बार 11 सीटें जीती थीं।

व्यवस्था परिवर्तन का दूसरा नाम मनोहर

जब मनोहर लाल मुख्यमंत्री बने तो हरियाणा अव्यवस्थाओं का शिकार था। हरियाणा में सीएलयू, बदली और भर्ती ऐसे उद्योग थे, जिनमें मोटी कमाई की जाती थी। नेता, अधिकारी, कर्मचारी और सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ता इन उद्योगों के संचालक थे। जनता की गाढ़ी कमाई लूट ली जाती थी। सरकारी नौकरी लगने के लिए या तो धरती बेचनी पड़ती थी या फिर जेवर। जिसके पास कुछ नहीं था वह सरकारी नौकरी लगने की बात सोच भी नहीं सकता था। इस व्यवस्था को देखकर मनोहर लाल के मन में तड़प थी। हरियाणा की इस बदसूरत को वही व्यक्ति बदल सकता था जिसके दिल में पैसे का मोह न हो। मनोहर लाल ने इस व्यवस्था को बदलने का संकल्प लिया और उसे बदल कर दिखाया। जहां पहले हर रोज नौकरी के नाम पर पैसे लिए जाने के मुकदमे हरियाणा में दर्ज होते थे। आज हरियाणा में ऐसे मुकदमों की संख्या शून्य पर आ गई है। प्रदेश की जनता आज यह मानती है कि इस व्यवस्था को केवल मनोहर लाल ही बदल सकते थे और किसी नेता में यह को कुव्वत नहीं थी। हरियाणा में बिना खर्ची बिना पर्ची नौकरी आज भी पूरे देश में एक उदाहरण है। प्रदेश की जनता इस कार्य के लिए मनोहर लाल का हमेशा आभार व्यक्त करती रहेगी।

जब विरोधी के समर्थक ने दिया समर्थन का भरोसा

अभय राम दहिया मनोहर लाल जी से जुड़ा एक किस्सा बताते हैं। उनके खट्टर से भी अच्छे संबंध हैं। दहिया बताते हैं, मैंने मनोहर लाल खट्टर को फोन करके पूछा कि वे कहां से चुनाव लड़ेंगे तो उन्होंने जवाब दिया कि आप बताइए। मैंने कहा- आप पंचकूला आ जाइए, मैं आपकी पूरी मदद करूंगा। इस पर खट्टर ने कहा- चुनाव लड़ने से पहले एजेंसियों से सर्वे करवा रहा हूं। अगर पंचकूला पर विचार किया जाता है तो मैं आपकी मदद जरूर मांगूंगा।

दानवीर मनोहर

मनोहर लाल खट्टर ने पहले करनाल विधानसभा से चुनाव लड़कर विधानसभा में दस्तक दी और उसके बाद करनाल से ही लोकसभा का चुनाव लड़ा और लोकसभा पहुंचे। मनोहर लाल खट्टर को करनाल क्यों पसंद आता है? इसके पीछे बड़ा कारण है कि करनाल दानवीर कर्ण की नगरी है और मनोहर लाल खट्टर भी किसी दानवीर से कम नहीं हैं। आज जब कोई व्यक्ति किसी को आसानी से कुछ नहीं देता है। एक-एक इंच जमीन के लिए झगड़े होते हैं। मनोहर लाल खट्टर ने मुख्यमंत्री रहते रोहतक के निंदाणा गांव वाले अपने घर को दान कर दिया।

मनोहर सरकार का दूसरा नाम- पारदर्शी और डिजिटल प्रशासन (ई-गवर्नेंस)

मनोहर लाल खट्टर, जो 2014 से 2024 तक हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे, ने अपने कार्यकाल के दौरान कई जनकल्याणकारी नीतियां लागू कीं। मनोहर लाल खट्टर ने हरियाणा में डिजिटल प्रशासन को बढ़ावा देने के लिए कई पहल कीं, जैसे डिजिटल हरियाणा और सीएम विंडो।

सीएम विंडो में यह एक ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली थी, जिसके माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएं सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचा सकते थे। इससे प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी। विभिन्न सरकारी सेवाओं,जैसे जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र, राशन कार्ड और संपत्ति पंजीकरण, को ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया, जिससे भ्रष्टाचार में कमी आई और सेवाओं तक पहुंच आसान हुई।

कृषि और किसान कल्याण

हरियाणा एक कृषि-प्रधान राज्य है, और खट्टर सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए कई योजनाएं लागू कीं। मेरा पानी-मेरी विरासत योजना के तहत किसानों को धान जैसे जल-गहन फसलों की जगह वैकल्पिक फसलों (जैसे मक्का, बाजरा) की खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया ताकि भूजल स्तर को संरक्षित किया जा सके। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को हरियाणा में प्रभावी ढंग से लागू किया गया, जिसके तहत छोटे और सीमांत किसानों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की सहायता दी गई।

फसल नुकसान के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को बढ़ावा दिया गया, और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान किसानों को त्वरित मुआवजा प्रदान करने की व्यवस्था की गई।

शिक्षा और कौशल विकास

खट्टर सरकार ने शिक्षा और युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया। इस योजना के तहत युवाओं को रोजगार के लिए प्रशिक्षण और कौशल विकास के अवसर प्रदान किए गए। मेधावी छात्रों को मुफ्त कोचिंग प्रदान की गई ताकि वे इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं में सफल हो सकें। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को हरियाणा में मजबूती से लागू किया गया, जिससे लिंगानुपात में सुधार हुआ और लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा मिला।

स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा

खट्टर सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को प्राथमिकता दी। आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब परिवारों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया गया।

राज्य सरकार ने इस योजना के तहत गरीब परिवारों को अतिरिक्त स्वास्थ्य लाभ प्रदान किए, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो आयुष्मान भारत के दायरे में नहीं आते थे।

वृद्धावस्था पेंशन

वृद्धजनों, विधवाओं, और दिव्यांगों के लिए पेंशन योजनाओं को मजबूत किया गया, और पेंशन राशि में वृद्धि की गई। खट्टर ने अंत्योदय के सिद्धांत को अपनाते हुए समाज के सबसे कमजोर वर्गों के उत्थान पर जोर दिया। इस योजना के तहत गरीब परिवारों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी गई ताकि उनकी बुनियादी जरूरतें पूरी हो सकें।

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना

इस योजना का उद्देश्य राज्य के सबसे गरीब परिवारों की पहचान कर उन्हें स्वरोजगार और आर्थिक सहायता प्रदान करना था। गरीब परिवारों को मुफ्त या रियायती दरों पर राशन उपलब्ध कराया गया, और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को डिजिटल बनाकर पारदर्शी किया गया।

@ बिना पर्ची-खर्ची के कारण तीसरी बार फिर बनी भाजपा सरकार, मनोहर नीतियों से बेरोजगारी दर में कमी

मनोहर सरकार के कार्यकाल में बिना पर्ची, बिना खर्ची (बिना सिफारिश, बिना रिश्वत) की नीति को लागू करके सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता और योग्यता आधारित भर्ती प्रक्रिया को बढ़ावा दिया। इस नीति का उद्देश्य भ्रष्टाचार, सिफारिश और रिश्वतखोरी को समाप्त कर मेधावी युवाओं को नौकरी के अवसर प्रदान करना था। मनोहर लाल खट्टर की बिना पर्ची, बिना खर्ची नीति ने हरियाणा में सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और योग्यता आधारित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस नीति के तहत लाखों युवाओं को नौकरी मिली, बेरोजगारी दर घटी और व्यवस्था में विश्वास बढ़ा। यह नीति हरियाणा की राजनीति और समाज में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखी जाती है। खट्टर की नीतियों के परिणामस्वरूप हरियाणा में बेरोजगारी दर 2023 तक 6.5% तक कम हो गई, जैसा कि सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सर्वेक्षण में उल्लेखित है। इसके अलावा, सरकार ने निजी क्षेत्र में रोजगार के लिए युवाओं के कौशल विकास पर ध्यान दिया और नई कंपनियों को हरियाणा में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया। इस नीति ने गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों में विश्वास जगाया, क्योंकि उनके बच्चे बिना किसी सिफारिश के नौकरी प्राप्त कर सके। मनोहर सरकार ने जातीय और क्षेत्रीय भेदभाव को खत्म कर सभी समुदायों को समान अवसर प्रदान किए। मनोहर सरकार की नीतियों ने हरियाणा में भाजपा के प्रति सकारात्मक माहौल बनाया, जिससे पार्टी को 2024 में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने में मदद मिली। मनोहर सरकार ने 2021 में हरियाणा कौशल रोजगार निगम की स्थापना की, जिसका उद्देश्य ठेका आधारित सरकारी नौकरियों में भी पारदर्शिता लाना था। इस निगम के तहत एक लाख से अधिक को कर्मचारियों को विभिन्न विभागों में नियुक्त किया गया।

जैसे मोदी के मनोहर वैसे ही मनोहर के नायब

12 मार्च 2024, मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी ने सुबह चंडीगढ़ में विधायक दल की बैठक बुलाई। इसमें समर्थक निर्दलीय विधायकों को भी बुलाया गया, लेकिन जजपा विधायक इसमें शामिल नहीं थे। बैठक के बाद मनोहर लाल खट्टर सभी मंत्रियों समेत राज्यपाल से मुलाकात करने निकले। करीब 11.30 बजे खबर आई कि खट्टर सरकार ने इस्तीफा दे दिया है। इससे साफ हो गया कि भाजपा और जजपा गठबंधन टूट गया है। खट्टर के इस्तीफा देने के साथ ही नए सीएम के नाम पर भी चर्चा शुरू हो गई। उसी शाम नायब सैनी को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई। सैनी उस समय कुरुक्षेत्र से लोकसभा सांसद थे। सैनी को सीएम बनाने की एक अहम वजह यह थी कि खट्टर और सैनी के बीच भी ऐसा ही रिश्ता है, जैसा पीएम मोदी और खट्टर के बीच है। नायब सैनी से मनोहर लाल खट्टर की करीबी लगभग दो दशक पुरानी है।

मनोहर लाल को नया दायित्व

13 मार्च शाम करीब 7 बजे भाजपा ने लोकसभा प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी की। मनोहर लाल को करनाल से उम्मीदवार घोषित किया गया। चुनाव जीतने के बाद मोदी सरकार 3.0 में उन्हें ऊर्जा, आवास और शहरी मामलों का मंत्री बनाया गया।

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

संक्षिप्त समाचार

पोप का चुनावः कॉन्क्लेव से पहले ऑनलाइन सट्टा शुरू; यूरोपा लीग-फॉर्मूला वन चैंपियनशिप से भी बढ़कर लग रहे दांव

वेटिकन सिटी, एजेंसी। दुनिया के 1.4 अरब कैथोलिकों के नेता के रूप में पोप फ्रांसिस के उत्तराधिकारी का चुनाव करने के लिए अगले सप्ताह होने वाला सम्मेलन सदियों पुरानी परंपराओं से जुड़ा है। हालांकि, अगले पोप को लेकर दोस्तों और परिवारों से लेकर ऑनलाइन गेम तक सट्टा लगना शुरू हो गया है। प्रमुख ऑनलाइन प्लेटफॉर्म 'ऑडसेकर' के ब्रिटिश मैनेजर सैम ईटन ने कहा कि यह सट्टेबाजी यूरोपा लीग सॉकर टूर्नामेंट और फॉर्मूला-वन ड्राइवरों की चैंपियनशिप से भी आगे निकल गई है। ऑडसेकर एक प्रमुख ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जो खेल, आयोजनों और अन्य बाजारों में बाधाओं का विश्लेषण करता है। ईटन ने कहा, पोप के चुनाव को लेकर विश्व स्तर पर बहुत अधिक रुचि है। मुझे नहीं लगता कि हमारे पास ऐसा कोई बाजार है, जहां इतने सारे देश इस चुनाव को देखने में रुचि रखते हों। दुनियाभर में अगले पोप पर हजारों लोगों ने दांव लगाए हैं। उन्होंने बताया, करीब 140 देशों से लाखों लोग अगले पोप बनने की प्रत्येक कार्डिनल की संभावनाओं की समीक्षा करने के लिए ऑडसेकर पर आए हैं। इसके लिए ब्रिटेन, आयरलैंड और अमेरिका में विशेष उत्सुकता देखी गई। यह वैश्विक रुचि का विषय भी है। इटली में पोप चुनाव और सभी धार्मिक आयोजनों पर सट्टा लगाना प्रतिबंधित है। रोम में दोस्ताना दांव से लेकर फैंटापापा या फैंटेसी पोप नामक ऑनलाइन गेम की ओर रुख भी कर रहे हैं। यह लोकप्रिय फैंटेसी फुटबॉल व सॉकर लीग के समान है। कार्डिनलों की काल्पनिक टीमें बनाकर 60,000 से अधिक लोग इसे खेल रहे हैं। प्रत्येक व्यक्ति सॉकर टीम की तरह 11 कार्डिनल्स चुन रहा है। ब्रिटेन में एक प्रमुख ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच पर करीब 30,000 पाउंड (लगभग 40,000 डॉलर) का दांव लगाया गया। अरबपति ले फेल्प्स ने कहा, 21 अप्रैल से, हमने हजारों दांव लगाए हैं। अनियमित व अवैध क्षेत्र में सबसे बड़ी साइटों में से एक ने पोप के दांव में अब तक 1 करोड़ डॉलर का दांव लगाया है। वेटिकन कर्मियों ने सिस्टिन चैपल में एक स्टोव स्थापित किया है। यहां नए पोप के चुनाव के लिए आगामी कॉन्क्लेव के दौरान मतपत्र जलाए जाएंगे। एक दिन पहले ही इसके लिए चिमनी की तैयारी की गई, जिनमें से निकलने वाले धुएं को देखकर पोप के चयन का पता चलेगा। शनिवार को स्टोव लगाने और भित्तिचित्रों से सजे सिस्टिन चैपल में एक फर्श भी लगाया गया, ताकि इसे समतल बनाया जा सके।

सेशेल्स की सफल यात्रा के बाद आईएनएस सागर मालदीव के लिए रवाना

विक्टोरिया पोर्ट, एजेंसी। भारतीय युद्धपोत आईएनएस सागर सेशेल्स की सफल यात्रा के बाद विक्टोरिया पोर्ट से मालदीव के लिए रवाना हो गया। यह यात्रा भारत और सेशेल्स के बीच समुद्री सहयोग को मजबूत करने के लिए की गई, जिसमें पेशेवर और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। भारतीय नौसेना ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 2 मई 2025 को भारतीय महासागर जहाज (आईओएस) सागर सेशेल्स की अपनी सफल यात्रा के बाद आगे बढ़ गया। इस दौरान भारत और सेशेल्स के बीच मिलकर काम करने का अच्छा अनुभव मिला। अब यह जहाज मालदीव के लिए निकल पड़ा है, जहां यह समुद्री सुरक्षा और सहयोग को आगे बढ़ाएगा।

यमन के प्रधानमंत्री मुबारक ने राजनीतिक विवाद के कारण इस्तीफा दिया

साना, एजेंसी। यमन के प्रधानमंत्री अहमद अवद बिन मुबारक ने शनिवार को सत्तारूढ़ राष्ट्रीय परिषद के साथ विवाद के कारण इस्तीफा दे दिया। मुबारक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर अपने इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने अपना इस्तीफा सत्तारूढ़ राष्ट्रपति परिषद के प्रमुख रशद अल-अलीमी को भेजा। मुबारक को फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री बनाया गया था। मुबारक ने कहा कि वे सरकार में सुधार के लिए जरूरी निर्णय लेने और आवश्यक कैबिनेट फेरबदल को अंजाम देने में असमर्थ हैं।

युगांडा की महिला को गुलाम की तरह रखने पर संयुक्त राष्ट्र की जज को 6 साल की जेल

कंपाला, एजेंसी। यूनाइटेड नेशंस की एक जज को एक महिला से गुलाम की तरह जबरन काम करवाने के मामले में 6 साल 4 महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। 50 वर्षीय लीडिया मुगांबे कानून में पीएचडी करने के लिए ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में थीं। उनके घर से पुलिस को युगांडा की युवती मिली, जो बिना किसी सैलरी के नौकरानी और आया का काम कर रही थी। मुगाबे युगांडा में हाई कोर्ट की जज भी है। उन्हें ऑक्सफोर्ड क्राउन कोर्ट ने मार्च में मॉडर्न डे स्लेवरी (आधुनिक दासता) के अपराध में दोषी ठहराया था।

सिंगापुर आम चुनाव में पीएम लॉरेंस वोंग की जीत: 97 में से 87 सीटें मिलीं, 50 साल से सत्ता पर काबिज पार्टी

सिंगापुर सिटी, एजेंसी। सिंगापुर में हुए आम चुनाव में प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग और उनकी पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) ने शनिवार को जीत हासिल की। पार्टी को 97 संसदीय सीटों में से 87 सीटें मिलीं। जीत के बाद प्रधानमंत्री वोंग ने कहा कि हम मजबूत जनादेश के लिए आभारी हैं। भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पर पोस्ट कर वोंग को जीत की बधाई दी है। चुनाव में मुख्य मुकाबला 1965 से सत्ता पर काबिज पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) और प्रमुख विपक्षी दल वर्कर्स पार्टी (डब्ल्यूपी) के बीच था। इनके अलावा कई अन्य छोटे दल भी चुनावी मैदान में थे। चुनाव विभाग ने बताया कि देश के 26 लाख लोगों ने 1240 वोटिंग सेंटर्स पर 92 सीटों के लिए अपने वोट डाले। दरअसल, सिंगापुर की संसदीय सीटें सिंगल मेंबर कॉन्स्टिट्यूएंसी (एसएमएसी) और ग्रुप रिप्रेजेंटेशन कॉन्स्टिट्यूएंसी (जीआरसी) के दो हिस्सों में बंटी हैं। जीआरसी में 4-5 उम्मीदवारों की टीम चुनाव लड़ती है, जिसमें कम से कम एक अल्पसंख्यक समुदाय (मलय, भारतीय, या अन्य) का उम्मीदवार होना जरूरी होता है। ऐसी ही एक सीट पीएपी निर्विरोध जीत चुकी थी। 1948 में पहले आम चुनाव के बाद से यह सिंगापुर का 19वां और 1965 में स्वतंत्रता के बाद से 14वां चुनाव था। पीएम वोंग ने पिछले मई में ली सीन लूंग के करीब 20 साल बाद पद छोड़ने पर नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। पीएम पद के प्रमुख

दावेदार लॉरेंस वोंगः 15 मई 2024 को ली सीन लूंग की जगह लॉरेंस वोंग ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री का पद संभाला था। वो पीएपी के महासचिव भी हैं। इससे पहले वो वित्त मंत्री और उपप्रधानमंत्री के जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। कोविड-19 के वक्त लिए गए फैसलों और आर्थिक नीतियों की वजह से उन्हें काफी लोकप्रियता मिली थी।

हेंग स्वी कीटः सिंगापुर के उपप्रधानमंत्री हैं। वे पीएपी के सीनियर लीडर हैं। हेंग को पहले मजबूत दावेदार माना जाता था, लेकिन 2021 में उन्होंने स्वास्थ्य वजहों से प्रधानमंत्री पद की दौड़ से खुद को अलग कर लिया था। अगर किसी वजह से लॉरेंस वॉन्ग पीछे हटते हैं तो हेंग स्वी कीट प्रमुख उम्मीदवार बन सकते हैं।

प्रीतम सिंहः वर्कर्स पार्टी के प्रमुख प्रीतम सिंह भी सिंगापुर की राजनीति में एक प्रमुख चेहरा हैं, हालांकि उनके प्रधानमंत्री बनने की संभावना न के बराबर है, क्योंकि उनकी पार्टी सिर्फ 26 सीटों पर ही चुनाव लड़ रही है। भारतीय मूल के प्रीतम सिंह की लीडरशिप में वर्कर्स पार्टी ने पिछले चुनाव में मजबूत प्रदर्शन करते हुए 10 सीटें जीती थी। इस साल फरवरी में उनका नाम तब विवादों में घिर गया जब सिंगापुर की एक अदालत ने उन्हें संसद में शपथ लेकर झूठ बोलने के दो मामलों में दोषी करार दिया था। इसके लिए उन पर 5,220 डॉलर के दो जुर्माने भी लगाए गए थे। सिर्फ पीएपी ही सभी सीटों पर चुनाव लड़ी थी चुनाव में 11 पार्टियों ने हिस्सा लिया था, लेकिन सिर्फ पीएपी ने ही सभी 97 सीटों पर चुनाव लड़ा था। वर्कर्स पार्टी ने सिर्फ 26 सीटों के लिए चुनाव लड़ा था। सिर्फ छह पार्टियां ही 10 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ी थीं। 2020 के आम चुनाव में कुल 93 सीटों के लिए वोटिंग की गई थी, जिसमें पीएपी ने 83 सीटें जीती थीं, उसे 61.24 प्रतिशत वोट मिले थे। जबकि वर्कर्स पार्टी ने 10 सीटें जीती थीं। इस बार के चुनाव में आर्थिक विकास, रोजगार, बढ़ती महंगाई, हेल्थ, एजुकेशन और अल्पसंख्यक समुदाय की सरकार में हिस्सेदारी एक प्रमुख मुद्दा था। पीएम वोंग और पीएपी ग्लोबल इकोनॉमी पर अमेरिकी टैरिफ की वजह से पैदा हुई अनिश्चितताओं के बीच में जनता से नया जनादेश मांगा था। सिंगापुर में मतदान करना एक सिविल ड्यूटी सिंगापुर में 21 साल से ज्यादा उम्र के सभी नागरिकों के लिए वोटिंग अनिवार्य है। 2020 के चुनाव में कुल 95.81 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार भी उम्मीद है कि वोटिंग परसेंट काफी हाई होगा, क्योंकि सिंगापुर में मतदान को सिविल ड्यूटी माना जाता है। सिंगापुर में फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट सिस्टम का इस्तेमाल होता है, जिसमें सबसे ज्यादा वोट पाने वाले उम्मीदवार की जीत होती है। भारतीय समुदाय को लुभाने की कोशिश पीएम वॉन्ग ने भारतीय समुदाय को रिझाने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कुछ वक्त पहले कहा था कि भारतीय समुदाय की कहानी सिंगापुर की कहानी का हिस्सा है। दूसरी तरफ विपक्ष दल डब्ल्यूपी का फोकस युवा मतदाताओं और शहरी मध्यम वर्ग को लुभाने पर है। प्रधानमंत्री लॉरेंस वॉन्ग ने पिछले महीने घोषणा की थी कि उनकी पीएपी पार्टी इस चुनाव में भारतीय मूल के उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी।

ट्रंप ने दिया था मैक्सिको में अमेरिकी सेना तैनात करने का प्रस्ताव, राष्ट्रपति शिनबाम ने सिरे से नकारा

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको से मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सेना को तैनात करने का प्रस्ताव दिया। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने इसे सिरे से नकार दिया है। ट्रंप से फोन पर हुई बातचीत को लेकर प्रकाशित एक रिपोर्ट के जवाब में मैक्सिको की राष्ट्रपति शिनबाम ने यह बात कही। रिपोर्ट में कहा गया था कि फोन कॉल के दौरान ट्रंप ने कथित तौर पर शिनबाम पर मैक्सिको में ड्रग माफियाओं से लड़ने के लिए अमेरिकी सेना की बड़ी भूमिका स्वीकार करने के लिए दबाव डाला था।

शिनबाम ने कहा कि फोन कॉल पर ट्रंप ने कहा था कि हम नशीले पदार्थों की तस्करी से लड़ने में आपकी कैसे मदद कर सकते हैं? मेरा प्रस्ताव है कि संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना आकर आपकी मदद करे। आप ऐसा करें तो मैं उनसे क्या कहा? मैंने कहा कि नहीं राष्ट्रपति ट्रंप। संप्रभुता बिक्री के लिए नहीं है। संप्रभुता को प्यार किया जाता है और उसकी रक्षा की जाती है।

जनवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अवैध अप्रवासियों को रोकने के लिए सेना को लगाया है। इसके बाद से मैक्सिको के साथ दक्षिणी सीमा पर अमेरिकी सैन्य उपस्थिति में लगातार वृद्धि हुई है। अमेरिकी उत्तरी कमान ने सीमा पर सैनिकों और उपकरणों की संख्या बढ़ा दी है। सीमा से नशीले पदार्थों की तस्करी पर नजर रखने के लिए मानवयुक्त निगरानी उड़ानों में इजाफा किया गया है। साथ ही माफिया के खिलाफ अभियान चलाने वाले मैक्सिकन बलों के साथ मिलकर काम करने के लिए अमेरिकी विशेष बलों के लिए विस्तारित अधिकार की मांग की है। ट्रंप ने 19 फरवरी को अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले कई गिरोहों और कार्टेलों को आतंकी संगठन घोषित कर दिया।

अचानक क्रैश हुआ प्लेन, पायलट की मौत, रिहायशी इलाके में गिरा विमान, दो घरों को नुकसान!

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में अचानक एक प्लेन क्रैश हो गया। इस घटना में पायलट की जान चली गई। वहीं, विमान दो घरों की छत पर गिर गया, जिससे घरों में आग लग गई। इस आग को बुझाने फायरब्रिगेड के 40 से ज्यादा कर्मचारी मौके पर पहुंचे। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जानकारी के मुताबिक, प्लेन गिरने के कारण घरों के एक बड़े हिस्से को नुकसान हुआ है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार को अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक सिंगल सीटर प्लेन क्रैश हुआ, जिससे एक पायलट की मौके पर मौत हो गई। यह हादसा रिहायशी इलाके में हुआ, जिसकी वजह से दो घरों को नुकसान पहुंचा। फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, हादसे के वक्त लोग घरों में मौजूद थे, लेकिन उन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया।

ऑस्ट्रेलिया चुनाव में लेबर पार्टी जीती: 21 साल में दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले पहले नेता होंगे अल्बनीज

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में लेबर पार्टी दोबारा चुनाव गई है। चुनाव आयोग के मुताबिक अब तक 60प्रतिशत वोटों की गिनती हो चुकी है। लेबर पार्टी को 89 सीटों पर जीत हासिल हुई है, वहीं विपक्षी लिबरल-नेशनल गठबंधन 36 सीटों पर जीती है। चुनाव जीतने के लिए 76 सीटों की जरूरत होती है। लेबर पार्टी की जीत से तय हो गया है कि एंथनी अल्बनीज एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। 21 साल में यह पहली बार होगा जब कोई नेता दोबारा प्रधानमंत्री बनेगा। इससे पहले 2004 में लिबरल पार्टी के जॉन हावर्ड लगातार दूसरी बार चुनाव जीते थे। वहीं, विपक्षी लिबरल-नेशनल गठबंधन ने हार मान ली है। विपक्षी उम्मीदवार पीटन डटन अपनी खुद की सीट भी हार गए हैं। डटन का डिक्सन संसदीय सीट हारना सदी की सबसे बड़ी राजनीतिक हारों में गिनी जा रही है। विपक्षी नेता पीटर डटन ने चुनाव में हार स्वीकार करते हुए कहा, हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, मैं इसके लिए पूरी जिम्मेदारी स्वीकार करता हूं। ऑस्ट्रेलिया में 3 साल पर चुनाव होते हैं। देश में 28 मार्च 2025 को संसद भंग कर दी गई थी, जिसके बाद सरकार केयरटेकर मोड में चली गई थी। इसके बाद 22 से 30 अप्रैल तक पोस्टल वोटिंग की गई। पिछली बार 2022 में हुए चुनाव में लेबर पार्टी को 77 और लिबरल-नेशनल गठबंधन को 58 सीटें मिली थीं। इस बार मुख्य मुकाबला प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की लेबर पार्टी और विपक्षी नेता पीटर डटन के लिबरल-नेशनल गठबंधन

के बीच था। ऑस्ट्रेलिया में सभी को वोट डालना जरूरी ऑस्ट्रेलिया में भारत की तरह ही दो सदन हैं। ऊपरी सदन को सीनेट और निचले सदन को हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स कहा जाता है। निचले सदन में बहुमत पाने वाली पार्टी या गठबंधन का नेता ही प्रधानमंत्री बनता है। इसकी 150 सीटों के लिए आज वोटिंग हो रही है। इसका रिजल्ट 3 मई की रात या फिर 4 मई की सुबह तक आएगा। निचले सदन के साथ ही ऊपर सदन की 76 में से 40 सीटों के लिए भी आज वोटिंग हो रही है। इस सदन में चुने गए सदस्यों का कार्यकाल 6 साल होता है।ऑस्ट्रेलिया में 18 साल या इससे ज्यादा उम्र के सभी नागरिकों को अनिवार्य रूप से वोट देना होता है और अगर गैर जरूरी कारण से वो ऐसा नहीं करते हैं तो उन पर 20 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का जुर्माना लगाया जा सकता है। यहां प्रधानमंत्री बनने के लिए उम्र तय नहीं है। दूसरे शब्दों में कहें तो 18 साल या ज्यादा उम्र के जो लोग वोटिंग कर सकते हैं, वो चुनाव भी लड़ सकते हैं और प्रधानमंत्री भी बन सकते हैं।

महंगाईः बढ़ती महंगाई और ऊंची ब्याज दरों इस बार प्रमुख मुद्दा है। दोनों प्रमुख पार्टी ने लोगों को वित्तीय राहत देने का वादा किया है।

महंगा घरः ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए घर खरीदना मुश्किल हो गया है। खासकर युवा लोगों को नए घर खरीदने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

जलवायु परिवर्तनः 2022 की बाढ़, 2023 की बुशफायर और जैस्पर साइक्लोन, 2025 का अल्फ्रेड साइक्लोन की वजह से जलवायु भी प्रमुख मुद्दा है। लेबर पार्टी ने रिन्युएबल एनर्जी में इन्वेस्ट किया, जबकि लिबरल पार्टी ने न्युक्लियर एनर्जी का प्रस्ताव दिया है।

महिलाओं के अधिकारों को लेकर इस्लामी समूह ने किया शक्ति प्रदर्शन; महिला आयोग को खत्म करने की मांग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में शनिवार को हजारों लोग एक बड़े प्रदर्शन में जुटे। यह रैली देश के प्रभावशाली इस्लामी संगठन हेफाजत-ए-इस्लाम ने बुलाई थी। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से महिला अधिकारों से जुड़ी आयोग को खत्म करने की मांग की, क्योंकि उनका मानना है कि आयोग की सिफारिशें इस्लाम के सिद्धांतों के खिलाफ हैं। महिला आयोग की रिपोर्ट का किया गया विरोध यह रैली ढाका के सुहरावर्दी उद्यान में हुई, जिसमें ज्यादातर कौमी मदरसों के शिक्षक और छात्र शामिल थे। हेफाजत-ए-इस्लाम बांग्लादेश में एक बड़ा दबाव समूह माना जाता है। प्रदर्शन का मकसद उस महिला आयोग की रिपोर्ट का विरोध करना था, जिसे नोबेल विजेता मुहम्मद युनुस की अंतरिम सरकार ने बनाया था। आयोग ने महिलाओं को संपत्ति में बराबरी और अन्य कानूनी अधिकार देने की सिफारिश की थी। लेकिन प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इस्लाम में मर्द और औरत के लिए अलग-अलग नियम तय हैं और दोनों को बराबर करना शरीयत के खिलाफ है। रैली में कौमी मदरसों के शिक्षक और छात्र हुए शामिल यह रैली ढाका के सुहरावर्दी उद्यान में हुई, जिसमें ज्यादातर

कौमी मदरसों के शिक्षक और छात्र शामिल थे। हेफाजत-ए-इस्लाम बांग्लादेश में एक बड़ा दबाव समूह माना जाता है। प्रदर्शन का मकसद उस महिला आयोग की रिपोर्ट का विरोध करना था, जिसे नोबेल विजेता मुहम्मद युनुस की अंतरिम सरकार ने बनाया था। आयोग ने महिलाओं को संपत्ति में बराबरी और अन्य कानूनी अधिकार देने की सिफारिश की थी। लेकिन प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इस्लाम में मर्द और औरत के लिए अलग-अलग नियम तय हैं और दोनों को बराबर करना शरीयत के खिलाफ है। हेफाजत ने सरकार के सामने रखी 12 सूत्रीय मांग हेफाजत के वरिष्ठ नेता मौलाना महफूजुल हक ने रैली में 12 सूत्रीय मांगों का एलान किया। उनकी पहली मांग थी कि महिला आयोग को तुरंत भंग कर दिया जाए और उसकी जगह नया आयोग बने जिसमें इस्लामी विद्वानों और महिलाओं की भागीदारी हो। वहीं एक और बड़े नेता मामूनुल हक ने आयोग के सदस्यों के खिलाफ सजा की मांग की। उन्होंने कहा कि आयोग ने बहुसंख्यक मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। रैली में एक महिला मदरसे के शिक्षक मोहम्मद शिहाबुद्दीन ने कहा, पुरुष और महिला कभी बराबर नहीं हो सकते। कुरान ने दोनों के लिए अलग-अलग जीवन नियम बताए हैं और हम इससे आगे नहीं जा सकते। अंतरिम सरकार ने बनाए महिला आयोग समेत कई सुधार आयोग हेफाजत ने सरकार से संविधान में पूरा विश्वास और भरोसा सिर्फ अल्लाह में लिखने की मांग भी की। इसके अलावा उन्होंने बहुलवाद यानी कई विचारों को स्वीकार करने की नीति को आत्मघाती बताया और इसे छोड़ने को कहा। इस्लामी समूह ने खासतौर पर उन शब्दों का विरोध किया जो जेंडर यानी लिंग पहचान से जुड़े हैं, जैसे लिंग पहचान, लिंग विविधता, लिंग समानता, लिंग भेदभाव, थर्ड जेंडर और अन्य लिंग। उनका कहना है कि इन शब्दों का इस्तेमाल एलजीबीटी और ट्रांसजेंडर समुदाय को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है।

चेन्नई से आए विमान की कोलंबो में सुरक्षा जांच, नहीं मिला पहलगाम हमले का संदिग्ध

कोलंबो, एजेंसी। चेन्नई से कोलंबो के भंडारनायके अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचे श्रीलंकन एयरलाइंस के एक विमान की शनिवार दोपहर हवाई अड्डे पर पहुंचने पर व्यापक सुरक्षा जांच की गई। ऐसा भारतीय खुफिया अधिकारियों से मिली एक सूचना के बाद किया गया, जिसमें कहा गया था कि विमान में पहलगाम आतंकवादी हमले से जुड़े संदिग्ध सवार हैं।

श्रीलंका के डेली मिरर अखबार ने बताया, विमान 4आर-एएलएस द्वारा संचालित उड़ान यूएल 122, शनिवार सुबह 11.59 बजे चेन्नई से कोलंबो पहुंची। विमान के हवाई अड्डे पर लैंड करने के बाद व्यापक सुरक्षा निरीक्षण किया गया। भारत में वांछित एक संदिग्ध के बारे में चेन्नई क्षेत्रीय नियंत्रण केंद्र से अलर्ट मिलने के बाद स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय में तलाशी ली गई। हालांकि अनिवार्य सुरक्षा प्रक्रिया के कारण विमान को आगे उड़ान भरने की मंजूरी दे दी गई, लेकिन बाद की उड़ानों में देरी हुई। स्थानीय रिपोर्ट में कहा गया है कि श्रीलंका पुलिस, श्रीलंका वायु सेना और एयरपोर्ट की सुरक्षा इकाइयों ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चलाया। लेकिन कोई संदिग्ध नहीं मिला। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए जघन्य आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की मौत हो गई थी। हमले में शामिल चार आतंकवादियों में से दो पाकिस्तान के थे। भारत ने शनिवार को हवाई और सड़क मार्गों से पाकिस्तान से

आने वाले मेल और पार्सल के आदान-प्रदान को निलंबित करने की घोषणा की। इससे पहले दिन में सभी आयातों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था और पाकिस्तानी झंडे वाले जहाजों को बंदरगाहों में प्रवेश करने से रोक दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आतंकवाद और इसका समर्थन करने वालों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने के भारत के दृढ़ संकल्प की भी पुष्टि की। अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम आतंकवाद के खिलाफ अपने रुख में पूरी तरह एकजुट हैं। मैं पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति उनकी सहानुभूति के लिए राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अब स्टारबेस नाम से जाना जाएगा दक्षिण टेक्सास शहर; एलन मस्क को मिली बड़ी जीत, मतदाताओं ने लगाई मुहर

मैकलेन, एजेंसी। अमेरिकी राज्य टेक्सास के दक्षिणी टेक्सास शहर को अब स्टारबेस के नाम से जाना जाएगा। नए शहर को लेकर हुए मतदान के दौरान मतदाताओं ने अपनी मुहर लगाकर इसे मंजूरी दी। दक्षिणी टेक्सास का नाम बदले जाने को एलन मस्क की बड़ी जीत माना जा रहा है। दक्षिणी टेक्सास में स्टारबेस एलन मस्क की स्पेसएक्स रॉकेट कंपनी का प्रक्षेपण स्थल है। रक्षा विभाग और नासा के साथ अनुबंध के तहत यहां से अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजा जाता है। एलन मस्क ने 2021 में स्टारबेस शहर बनाने का प्रस्ताव पेश किया था। इसे लेकर शनिवार को मतदान हुआ। इसमें मतदाताओं ने स्टारबेस शहर बनाने की मंजूरी दी। हालांकि कुल 283 मतदाताओं में से ज्यादातर स्पेसएक्स के कर्मचारी थे। मतदान का परिणाम आने के बाद खुशी जताते हुए मस्क ने एक्स पर लिखा कि यह अब एक वास्तविक शहर है। यह स्पेसएक्स के साथ ही मस्क की व्यक्तिगत जीत भी है। स्पेसएक्स को इस क्षेत्र में नौकरियों और निवेश के लिए स्थानीय अधिकारियों से व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ है। मैक्सिको सीमा के पास टेक्सास के दक्षिणी सिरे पर बसा यह शहर केवल 1.5 वर्ग मील (3.9 वर्ग किलोमीटर) में फैला हुआ है। 2024 में स्टारबेस के महाप्रबंधक कैथरीन ल्यूडर्स ने स्थानीय अधिकारियों को पत्र लिखकर शहर के मुद्दे को मतपत्र पर लाने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा था कि हमें स्टारबेस को एक समुदाय के रूप में विकसित करने की क्षमता की आवश्यकता है। पत्र में कहा गया कि कंपनी पहले से ही सड़कों और उपयोगिताओं के साथ-साथ संपत्ति पर रहने वालों के लिए स्कूली शिक्षा और चिकित्सा देखभाल के प्रावधान का प्रबंधन करती है। अब स्पेसएक्स प्रक्षेपण के लिए बंद

कर सकेगा समुद्र तट स्पेसएक्स को रॉकेट लॉन्च और इंजन परीक्षण और लॉन्च बेस के आसपास कुछ उपकरणों को ले जाने के लिए भी स्थानीय राजमार्ग और बोका चिका स्टेट पार्क और बोका चिका बीच तक पहुंच को बंद करना पड़ता है। अब तक इसके लिए स्पेसएक्स को स्थानीय काउंटी से मंजूरी लेनी पड़ती है। अब स्पेसएक्स कभी भी प्रक्षेपण के लिए समुद्र तट और पार्क को बंद कर सकेगा। शहर को समुद्र तट बंद करने का अधिकार मिलने से लॉन्च संचालन सुचारू हो जाएगा। इसके लिए राज्य विधानमंडल में विधेयक पेश किया जाएगा। इसके बाद पार्क और बीच बंद करने का अधिकार काउंटी से हटाकर नए शहर के मेयर और नगर परिषद को सौंप दिया जाएगा। हाल ही में स्पेसएक्स ने संघीय प्राधिकारियों से दक्षिण टेक्सास में प्रक्षेपणों की संख्या को प्रति वर्ष पांच से बढ़ाकर 25 करने की अनुमति मांगी है। विरोध में उतरे लोग स्टार बेस शहर बनने का लोग विरोध भी कर रहे हैं। उनका मानना है कि इससे क्षेत्र पर मस्क का व्यक्तिगत नियंत्रण बढ़ जाएगा। उनका कहना है कि समुद्र तट बंद करने का अधिकार काउंटी सरकार के पास ही रहना चाहिए। जबकि कैमरून काउंटी के न्यायाधीश एडी ट्रेविनो, जूनियर ने कहा है कि काउंटी ने स्पेसएक्स के साथ अच्छा काम किया है और इसमें बदलाव की कोई जरूरत नहीं है। एक अन्य विधेयक के अनुसार यदि कोई व्यक्ति समुद्र तट खाली करने के आदेश का पालन नहीं करता है तो उसे अपराध माना जाएगा और 180 दिन तक की जेल हो सकती है। दक्षिण टेक्सास पर्यावरण न्याय नेटवर्क ने शहर के मतदान और समुद्र तट तक पहुंच के मुद्दे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। इसमें तमाम लोग शामिल हुए। जोसेट हिनोजोसा ने कहा कि वह इस प्रयास में भाग ले रही हैं ताकि समुद्र तट तक उनकी निरंतर पहुंच बनी रहे, जिसका आनंद उनका परिवार पीढ़ियों से लेता आ रहा है। स्पेसएक्स कुछ दिन यह बंद रहता है।

साड़ी की है बात निराली

छह गज का बिना सिला कपड़ा बुनकरों और डिजाइनरों के लिए एक कैनवास की तरह होता है। साड़ी केवल एक परिधान नहीं है, बल्कि यह एक पूरा ताना-बाना है। यानी एक ऐसा धागा जो अनेक सपनों का साक्षी है। जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। सदियों से अपने रूप, डिजाइन और कढ़ाई के लिए प्रसिद्ध साड़ी के स्वरूप में भी आज के समय में परिवर्तन आ गया है। बदलती जीवनशैली और आधुनिकता ने अन्य चीजों की तरह इसके स्वरूप पर भी असर डाला है। भारी-भरकम कांजीवरम और बनारसी की जगह हल्की डिजाइनर साड़ियों ने ले ली है। पहले हर समारोह में जहां जरी के काम वाली भारी साड़ी पहनना अनिवार्य ही नहीं शुभ भी माना जाता था, वहीं आज दादी-नानी की उस धरोहर ने अपनी जगह अलग एक संदूक में बना ली है तो दूसरी ओर सिंथेटिक साड़ियां अलमारियों में पहुंच गई हैं। यहां तक कि कल की महिलाएं जो अपनी कांजीवरम की साड़ियों में अपनी खूबसूरती को निहारती थी, अब वे भी सिक्वेंस वर्क की जार्जेट, शिफॉन साड़ी पहनने लगी हैं। एक जमाना था जब हर स्त्री के पास कांजीवरम, बनारसी, जामावार और पैठनी की साड़ियां अवश्य हुआ करती थीं। आज ब्लाउज के फैशन में जो बदलाव आया है, उसने साड़ी को वेस्टर्न टच में बदलने को उकसाया है। सबसे ज्यादा बदलाव कढ़ाई व डिजाइन में आया है। पहले भारी कढ़ाई की साड़ियों पर ज्यादातर जरी का काम किया जाता था पर अब जरी की जगह सिक्वेंस, क्रिस्टल व बीड्स ने ले ली है। यही वजह है कि आज साड़ियां पांच सौ से लेकर डेढ़ लाख रुपए तक में उपलब्ध है।

कांफिडेंस और लुक

आप जब घर से निकलती हैं, तो क्या अपने लुक को लेकर काफी कांसस रहती हैं। ऐसे में आप चाहें तो अपने ड्रेसकोड में थोड़ा सा परिवर्तन कर अपने दोस्तों में कांफिडेंस के साथ इंज्वाय कर सकती हैं। आप अपने ड्रेस डिजाइन को परिवर्तित कर अपने को आकर्षक और ग्लैमरस बना सकती हैं। इसके लिए आपको वेस्टन ड्रेस का भी सहारा लेने की कोई जरूरत नहीं है, आप भारतीय ड्रेस से ही अपने को आकर्षक बना सकती हैं। इसके लिए आप इंडियन आर्ट, अच्छे कट्स और फिटिंग वाले कपड़े का सहारा ले सकती हैं। इसके अलावा आप ब्राइट फ्रेश टोन अजमा सकती हैं। इसके साथ ही आप अपने कपड़ों को नये लुक के अलावा इनके रंगों पर भी ध्यान दे, जिनमें आप ब्लैक, ग्रे, व्हाइट के साथ थोड़ा-सा सिल्वर कलर का यूज करें तो बेहतर होगा। ये कभी फैशन सर्किट से बाहर नहीं होते। यदि आप डेनिम जींस पहनने की शौकीन हैं, तो इसे नीचे से थोड़ा मोड़ दें। साथ में ऐसे जूते पहनें, जो सभी तरह के मौसम के लिए उपयुक्त हों।

प्रैग्नेंसी में रखें खुद का ख्याल

प्रैग्नेंसी में नन्हें मेहमान के आने की जितनी ज्यादा खुशी होती है, उससे भी ज्यादा इस बात का फिक्र सताता है कि आने वाला बच्चा हैल्दी हो। इस लिए मां का खास ख्याल रखा जाता है क्योंकि उसी से बच्चे को पूरा पोषण मिलता है।

अगर मां में ही पोषक तत्वों की कमी होगी तो भविष्य में इसका असर बच्चे पर भी पड़ेगा। कैल्शियम, आयरन, विटामिन, खनिज पदार्थ, फाइबर, पोटाशियम आदि से भरपूर आहारों का सेवन गर्भावस्था में बहुत जरूरी है। इसी से बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास होगा और बीमारियों से भी उसका बचाव रहेगा। शरीर में इस समय हॉर्मोंस का परिवर्तन होने से मां का मूड बदलना स्वभाविक है। इससे उसे बहुत सी परेशानियों से भी गुजरना पड़ता है। ऐसे में प्रेग्नेंसी का समय एंज्वाय करने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

ऐसे करें स्किन केयर

गर्भावस्था में पेट और स्तन का आकार बढ़ने से स्किन पर खिंचाव के निशान पड़ जाते हैं। जिससे स्किन पर धारियां और गहरे भूरे रंग की लकीरें पड़ने का डर रहता है। इसके लिए अपनी मर्जी से दवाइयों खाने की गलती न करें। खास तरीकों से ही अपनी स्किन की केयर करें।

- प्रेग्नेंसी में त्वचा खुष्क होने लगती है इसलिए नहाने से पहले सरसो या फिर जैतून के तेल से शरीर की मसाज करें। मसाज हमेशा हल्के हाथों से करें। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी और त्वचा पर पड़े दाग-धब्बे भी दूर हो जाएंगे।
- पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना बहुत जरूरी है। इससे स्किन और सेहत दोनों अच्छी रहेंगी
- स्ट्रेच मॉस्क पर दवाइयां लगाने की बजाए नारियल का तेल लगाएं। इससे किसी तरह की एलर्जी भी नहीं होगी और दाग के निशान भी गायब हो जाएंगे।

कपड़े पहने स्टाइलिश

गर्भावस्था के समय मां जितना खुश रहेगी बच्चा भी उतना ही हैल्दी रहेगा। गर्भवती महिला का स्मार्ट बनकर रहना बहुत जरूरी होता है। ड्रेसिंग स्टाइल भी आपकी खुशी को व्यक्त करने का काम करता है। इस समय टाइट कपड़े पहनने से परहेज करें। इससे बच्चे की ग्रोथ होने में आसानी होगी।

- स्टाइलिश मैक्सी ड्रैस पहनने में आरामदायक होती हैं।
- डार्क रंग के कपड़ें इस समय मन को खुशी देते हैं।
- फ्लोरल या फिर कॉर्टून प्रिंट के आउटफिट्स बहुत अच्छे लगते हैं।

सेहत के रखें ख्याल

संतुलित आहार खाना इस समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। फल, सब्जियां, दूध, सूप आदि समय-समय खाना बहुत जरूरी है। एक बार खाने की बजाए 2-3 घंटे में कुछ न कुछ खाना चाहिए।

- रोटी, ब्रेड, चावल, साबुत अनाज को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। इन चीजो से आपको प्रोटीन मिलता है। इस समय प्रोटीन का सेवन बहुत जरूरी होता है।
- दूध, पनीर, अंडे, छाछ को भी आहार में शामिल करें। दूध से एलर्जी है तो छोले, राजमा, जई, बादाम, सोया दूध और सोयाबीन पनीर का भी खा सकते हैं।
- फलों का जूस पीने से साथ-साथ फल चबाकर खाने से ज्यादा फायदा मिलता है। यह शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रख सकते है।

लड़के अगर कुछ फैक्टर्स के बल पर लड़कियों को पसंद करते हैं, तो इस मामले में लड़कियां भी कोई कम नहीं है। लड़कों को पसंद करने के उनके अपने कायदे है और वे खुद से बेटर पोजिशन वाले को जल्दी पसंद कर लेती है। इसके लिए वे कुछ ऐसी बातों तक को इग्नोर कर देती हैं, जिनसे समझौता आमतौर पर मुश्किल होता है।

लड़का चाहिए खुद से सुपीरियर

मशहूर दार्शनिक फ्रायड ने कहा था कि उन्हें इस बात का जवाब कभी नहीं मिला कि एक औरत अपनी जिंदगी से क्या चाहती है। कुछ ऐसी ही उधेड़बुन से आपको आज की ज्यादातर महिलाएं भी जूझती दिख जाएंगी। बेशक, इस कन्फ्यूजन के केंद्र में शादी और उससे जुड़े सवाल ही अहम रहते है। ऐसे में यह सोचना कि महिलाएं फाइनैंशियल तौर पर पुरुषों पर निर्भर नहीं होना चाहती, पूरी तरह से सच नहीं है। आज की महिलाएं भी बेहतर कैरियर से ज्यादा खुशहाल परिवार का सपना देखती हैं। हालांकि, इस बात को खुले तौर पर मानने में उन्हें थोड़ी हिचक होती है। जी हां, तमाम स्टडी से यह बात साबित हुई है। अक्सर देखा भी गया है कि लड़कियां बॉयफ्रेंड को शादी के लिए मना कर देती हैं। उनका कहना होता है कि वे अपने कैरियर में आगे बढ़ना चाहती हैं और अभी सेटल होने के बारे में नहीं सोच रही हैं। लेकिन, हायर डिग्री वाले या फिर हाई इनकम वाले वेल-सेटल्ड लड़के के साथ उनका रवैया ऐसा नहीं रहता। ऐसे पुरुष के साथ शादी के प्रपोजल को वे झट मान जाती हैं। इसी तरह की एक रिसर्च से जुड़ीं लंदन स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स की रिसर्चर कैथरिन हाकिम बताती हैं, 'दुनिया भर में विमिन इम्पॉवरमेंट की बातें लगभग 40 साल से चल रही हैं। ऐसे में बस हाउसवाइफ बनने की बात को महिलाएं स्वीकार नहीं पातीं। अगर यह बात उनके मन में होगी, तो भी वे दकियानूसी कहलाए जाने के डर से यह बात नहीं कहेंगी। हालांकि, हमारे आसपास ऐसी तमाम महिलाएं हैं, जो फाइनैंशल मैटर्स के लिए अपने पार्टनर पर डिपेंड रहना चाहती हैं।' गौर करने वाली बात यह है कि उम्र ज्यादा होने पर भी महिलाएं ऐसे साथी के सपने संजोए रहती हैं, जो हर लिहाज से उनसे आगे हो। रिसर्च के दौरान देखा गया कि कई यूरोपियन देशों की उम्रदराज महिलाएं भी शादी के लिए तभी तैयार हुई, जब उन्हें अपने से ज्यादा धनवान और पढ़े-लिखे पुरुष मिले। ब्रिटेन में लगभग 50 साल पहले हुई एक रिसर्च में 20 फीसदी महिलाएं अपने से ज्यादा पढ़े-लिखे पुरुष से शादी करना चाहती थीं, वहीं पिछले दशक में ये आंकड़े 38 फीसदी तक पहुंच चुके हैं। यही पैटर्न पूरे यूरोप, यूएस और ऑस्ट्रेलिया में भी नोट किया गया। जाहिर है, तेजी से वेस्टर्न कल्चर में ढल रहीं इंडियन मेट्रोज की महिलाएं भी इस राह पर हैं।

सोच का रहता है असर

हालांकि इस रिसर्च को लेकर महिलाओं की राय अलग-अलग है। जहां, कुछ इससे सहमत नजर आती हैं, वहीं कुछ को इसमें दम नजर नहीं आता। एक एचआर फर्म में बतौर हेड काम कर चुकीं श्रुति सिंह कहती हैं। 'मैंने लव मैरिज की और हाल में अपनी जॉब से रिजाइन दिया है। दरअसल, मेरे पति को पांच साल के लिए लंदन की एक आईटी कंपनी में जॉब मिली है और मैं उनके साथ जाना चाहती हूं। मेरा फैसला इमोशंस और जिम्मेदारी से लिया गया है। इसमें उनके पैकेज की बात कहीं नहीं है। फिर वहां जाने पर भी मैं पढ़ाई या जॉब कर सकती हूं।' वैसे, बैंक प्रोफेशनल निहारिका जोशी ऐसे मैच को बेस्ट ऑप्शन मानती हैं। उनका कहना है, 'जिंदगी में घर और ऑफिस की दुधारी तलवार पर लटकने से क्या मिलेगा? आपको घर की जिम्मेदारी तो निभानी ही होगी, तो अच्छा है कि ज्यादा पैकेज वाले पुरुष से शादी की जाए। इस तरह न तो बॉस की धौंस सहनी पड़ेगी और एक स्टैंडर्ड के घर का आराम भी मिलेगा।' इस बात का एक और पहलू मीडिया प्रोफेशनल गौरी कपूर सामने रखती हैं। वह कहती हैं, 'हर सफल पुरुष ऐसी बीवी चाहता है, जो अपने लेवल पर सफल हो। इसलिए महिलाओं से जुड़ी इस रिसर्च में मुझे खास दम नहीं लग रहा है।' गुड़गांव की एक फूड बेवरेज फर्म में काम करने वाले गौरव कपूर की बात से यंग जेनरेशन की अप्रोच एकदम क्लीयर हो जाती है। बकौल गौरव, 'मैंने अपनी गर्लफ्रेंड से साफ कह दिया है कि जब तक मैं सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नहीं आ जाता, सेटल होने का सवाल ही नहीं उठता है। इससे उसे भी कोई ऐतराज नहीं है, क्योंकि उसकी फैमिली को भी तो ऊंची पोस्ट का दामाद पसंद आएगा।' उनका कहना है कि हाई सोसाइटी की तमाम महिलाएं अपने पार्टनर के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर तक को इसी वजह से इग्नोर कर देती हैं।

....अब तो बदल जाओ

कालांतर से वर्तमान तक मानों आरोप-प्रत्यारोप ही इसकी जीवनी हो। सबने इसके आचरण पर दाग लगाए, यहां तो एक सामान्य स्त्री क्या सीता को भी नहीं बख्शा गया। वाह रे दुनिया! इसकी नियति में क्या है, यह एक प्रश्न ही रहेगा? इसने सबको इज्जत दिया, सम्मान दिया और बदले में इसे मिला क्या सिर्फ और सिर्फ बदनामी, अपमान, द्वेष, ईर्ष्या। आखिर ऐसा इसी के साथ ही क्यों? अपवाद को छोड़ दिया जाए, तो असल जिंदगी में लोग बेस्ट हाफ बनाना तो चाहते हैं पर बनना नहीं चाहते। चाहे लव मैरिज हो या अरेंज मैरिज। अरेंज मैरिज में लड़की अपने ससुराल वालों की शर्तों पर जिंदगी गुजारती होती है। बहू पढ़ी-लिखी और नौकरी वाली चाहिए, पर जिंदगी वह जीए ससुराल वालों के मुताबिक।

काम को आसान बना देंगे ये स्मार्ट ट्रिक्स

हाउस वाइफ ही नहीं बल्कि वर्किंग वुमन्स का भी किचन के साथ गहरा रिश्ता होता है। वैसे तो गृहणीयां खाना बनाने से लेकर किचन में हर में माहिर होती है लेकिन इसके बावजूद भी कई बार उन्हें काम करते समय कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण काम में देरी हो जाती है। किचन से जुड़ी छोटी-मोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना चाहिए, ताकि वो अपने काम को और भी आसान बना सके। आज हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स बताने जा रहें है, जिनकी मदद से आप अपने काम को और भी आसान बना सकते है। ये शानदार किचन ट्रिक्स आपका काम आसान करने के साथ-साथ खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा।

- बादाम या टमाटर छिलने के लिए पहले उन्हें 5-10 मिनट तक पानी में उबाले। इससे इनके छिलके आसानी से निकल जाएंगे।
- प्याज को काटने और लहसुन को छिलने से पहले उसे 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे प्याज काटते समय आंसू नहीं आएंगे और लहसुन के छिलके भी आराम से उतर जाएंगे।
- सूखे मेवे या ड्राईफ्रूट्स को काटने से पहले 1 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इससे यह सॉफ्ट हो जाएंगे और आप इन्हें आसानी से काट सकेंगी।
- मशरूम को कभी भी पानी से न धाएं। क्योंकि यह पानी को सोख लेते है और कपाते समय पानी छोड़ देते है, जिससे सब्जी का टेस्ट खराब हो जाता है। इसकी बजाए आप मशरूम को गीले कपड़े से साफ करें।
- अगर आप पनीर बना रही है तो उसमें थोड़ा-सा ऑयल लगा दें। इससे यह बर्तन के साथ चिपकेंगे नहीं।
- शहद की शुद्धता पता लगाने के लिए उसकी कुछ बूंदे कांच की बोतल या गिलास में डालें। अगर शहद तले पर बैठ जाए तो शुद्ध है और अगर वो पानी में मिक्स हो जाए तो मिलावटी है।
- अगर आप बिरयानी या कोई ग्रेवी वाली डिश बना रही है तो उसमें दही डालने से पहले अच्छी तरह फेंट लें। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाएगा। इसके अलावा सब्जियां उबालने के बाद इसके पानी को दाल बनाने में इस्तेमाल करें। इससे दाल का स्वाद दोगुना हो जाएगा।
- चावल पकाने से पहले उससे अच्छी तरह से धो लें। इससे चावल में मौजूद स्टार्च निकाल जाएगा और चावल पकने के बाद चिपचिपा नहीं होगा। इसके अलावा चावल की खीर बनाते समय बर्तन में पहले थोड़ा-सा पानी डाल दें। इससे दूध बर्तन के तले पर नहीं चिपकेगा।
- फलों को काटने के बाद उसके उपर अच्छी तरह से नींबू छिड़ककर फ्रिज में स्टोर करें। इससे फल पूरा दिन ताजे रहेंगे और इनका रंग भी खराब नहीं होगा।

अगर आप भी अभी नया-नया रिश्ता बना रहे है...

जब कोई लड़का या लड़की नए-नए रिलेशन में पड़ते है तो वह हर वक्त एक-दूसरे से बातें करने का बहाना ढूंढते रहते है। हर वक्त मैसेज के जरिए एक-दूसरे से बाते करने लगते है लेकिन नए रिश्ते में लड़की को अधिक मैसेज करने से आपका बना हुआ रिश्ता टूट भी सकता है क्योंकि कोई भी लड़की शुरूआत में अपनी लाइफ में किसी दूसरे की दखलअंदाजी पसंद नहीं करती। इसलिए ऐसे में लड़कों को थोड़ा सावधानी बरत कर लड़की को मैसेज करने चाहिए।

अधिक मैसेज न करें

पहली डेट के बाद लड़की के साथ बातचीत बढ़ाना अच्छी बात है लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उसके बार-बार मैसेज करके टंग करते रहे। अधिक मैसेज करने से भी रिश्ता जुड़ने से पहले ही टूट सकता है। इसलिए मैसेज करने पहले इस बात का खास ध्यान रखें।

देर रात मैसेज न करें

दिन के समय मैसेज करके थोड़ी-बहुत बात करना तो ठीक है लेकिन देर रात तक लड़की को कभी मैसेज न करें। इससे लड़की नाराज भी हो सकती है और आपसे दूरियां भी बना सकती है।

शराब पीने के बाद

नया रिश्ता जोड़ रहे है तो कोई भी गलती करने से पहले दस बार जरूर सोचें। इसके अलावा अगर आप ड्रिंक भी करते है तो शराब पीने के बाद लड़की को कभी मैसेज न करें क्योंकि ड्रिंक करने के बाद कोई भी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाता और कोई न कोई गलती कर बैठता है।

क्रोधित होने भी न करें मैसेज

कहते है कि गुस्सा बहुत बुरी चीज है। गुस्सा आने पर इंसान कोई होश नहीं रहता है कि वह किसे क्या बोल रहा है। इसलिए बेहतर होगा कि जब आप गुस्से में हो तो किसी लड़की को मैसेज न करें। क्योंकि उस वक्त आपको खुद नहीं पता होता है कि आप क्या बोल रहे है।

मैसेज में सवाल-जवाब कम करें

पहली डेट के साथ अगर लड़की के साथ मैसेज पर बात कर भी रहे है तो उसके साथ ज्यादा सवाल न करें क्योंकि इससे उसे गुस्सा भी आ सकता है और वह आपसे चिढ़ भी सकती है।

मथुरा के बांके बिहारी कॉरिडोर का विरोध

वृंदावन में सांसद हेमा मालिनी के खिलाफ की नारेबाजी, सांसद ने सीएम से मुलाकात कर जल्द कॉरिडोर का काम शुरू करने की की थी मांग

मथुरा। सांसद हेमा मालिनी ने 8 दिन पहले लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में सांसद ने बांके बिहारी कॉरिडोर का काम जल्द शुरू करने की मुख्यमंत्री से मांग की थी। सांसद हेमा मालिनी की यह मांग वृंदावन के रहने वालों को रास नहीं आई। सोमवार को बांके बिहारी मंदिर क्षेत्र में रहने वाले गोस्वामी और व्यापारियों ने मंदिर के मुख्य द्वार पर खड़े हो कर प्रदर्शन किया और सांसद हेमा मालिनी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बांके बिहारी मंदिर के मुख्य द्वार पर सोमवार को गोस्वामी,दुकानदार एकत्रित हुए। यहां हाथों में कॉरिडोर के विरोध में तख्तियां लिए इन लोगों ने नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने सांसद हेमा मालिनी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप कॉरिडोर तो बहाना है जबकि कुछ लोगों का मकसद भू माफियाओं को लाभ पहुंचाना है।

प्रदर्शन करने पहुंचे रुक्मिणी गोस्वामी ने आरोप लगाया कि सांसद हेमा मालिनी ने जिस रावल गांव को गोद लिया था आज तक उसी का विकास नहीं करा पाई है। वह भगवान बांके बिहारी मंदिर का क्या विकास करा पाएंगी। गोस्वामी समाज के लोगों का आक्रोश यही नहीं रुका उन्होंने कहा कि कॉरिडोर का काम किसी भी सूरत में नहीं होने दिया जाएगा। बांके बिहारी मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष नीरज गौतम ने बताया कि सांसद हेमा मालिनी ने सबसे पहले रावल गांव को गोद लिया वह आज भी अपने विकास के नाम पर आंसु बहा रहा है।

दूसरा प्रोजेक्ट वह मथुरा वृंदावन रेल लाइन का लाई वह भी पूरा न करा सकीं। व्यापारी और भाजपा नेता अलौकिक शर्मा ने बताया कि वह सांसद हेमा मालिनी से कहना चाहते हैं कि वह कोई भी काम करने से पहले जनता से मिले। पीड़ित जनता,व्यापारी,बुजुर्गों से आकर मिलें उनसे पूछें कि उनको क्या आवश्यकता है यह नहीं कि सीधे कुछ भी थोप दिया जाए। कॉरिडोर बनाने से ब्रज के विनाश की तरफ अग्रसर होंगे। व्यापारी नेता गोविंद खंडेलवाल ने बताया कि सांसद जी धरातल पर तो आती नहीं है जबकि कई बार मांग की गई है कि आपको जो विकास करना है उसके लिए सबसे पहले स्थानीय निवासी,प्रभावित होने वाले लोगों से बात करें। कॉरिडोर का विरोध कर रहे लोगों ने सरकार से मांग की कि आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यमुना पार जगह चिन्हित की जाए और वहां पर कॉरिडोर का निर्माण किया जाए। साथ ही यमुना पर दो पुल बनाए जाएं एक श्रद्धालुओं के आने के लिए और एक पुल श्रद्धालुओं के जाने के लिए। जिससे कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की दिक्कत और असुविधा न हो और वृंदावन का कुंज गलियों का स्वरूप बचा रहे। तीन वर्ष पूर्व 2022 में श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर मंगला आरती के दौरान भीड़ उमड़ने से मची भगदड़ में दो श्रद्धालुओं की मौत के बाद ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर में कॉरिडोर निर्माण की मांग उठने लगी। जिसे लेकर मथुरा निवासी अनंत शर्मा द्वारा एक जनहित याचिका उच्च न्यायालय में पेश की गई। अलग अलग समितियों की रिपोर्ट और उच्च न्यायालय से लेकर उच्चतम न्यायालय तक सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार को कॉरिडोर निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा अपने बजट में डेढ़ सौ करोड़ रुपए का प्रावधान किया जा चुका है। लेकिन स्थानीय लोगों के साथ मंदिर का गोस्वामी समाज,व्यापारी और विभिन्न संगठन कॉरिडोर निर्माण का लगातार विरोध कर रहे हैं। दो दिन पूर्व सांसद हेमा मलिनी द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कॉरिडोर निर्माण कार्य को शुरू करने संबंधी चिट्ठी भेजने के बाद क्षेत्रीय वाशिंदे फिर विरोध में उतर आए।

धूमधाम से बुद्ध पूर्णिमा मनाने की चल रही तैयारी

संवाददाता

कुशीनगर । ग्लोबल बुद्धिस्ट अम्बेडकर पीस एंड फ्रेंडशिप ट्रस्ट कुशीनगर एवं बुद्धिस्ट इण्टरनेशनल नेटवर्क कुशीनगर के संयुक्त तत्वाधान में नगरपालिका कुशीनगर के वार्ड न 20 शहीद भगत सिंह नगर स्थित चीना बाबा बुद्ध बिहार में बुद्ध पूर्णिमा धूमधाम से मनाया जायेगा। हर वर्ष की भांति इसवर्ष भी कार्यक्रम संविधान एवं कानून के दायरे में रहकर शान्तिपूर्ण ढंग से मनाया जायेगा। उक्त की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बुद्धिस्ट इण्टरनेशनल नेटवर्क राष्ट्रीय सह प्रभारी आनन्द कुमार गौतम ने दी। बताया कि इस हेतु एक पत्र जिलाधिकारी कुशीनगर को डाक द्वारा प्रेषित कर सूचना दे दी गयी है। गौतम ने बताया कि बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर 12 मई को कुशीनगर

चाइना मन्दिर से भन्ते उत्तरानन्द के नेतृत्व में जुलूस गाजे बाजे के साथ चीना बाबा बुद्ध बिहार जाएगा। इस दौरान बौद्ध भिक्षु व उपासकों के हाथ में झंडा व भगवान बुद्ध का चित्र रहेगा। इस कार्यक्रम में भारी संख्या भिक्षुओं व उपासकों के शामिल होने होंगे।

संत चंपा मेमोरियल विद्यालय जौराबाजार ने मनाई रजत जयंती, सांस्कृति आयोजित

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर के जौराबाजार स्थित संत चंपा मेमोरियल विद्यालय के 25 वर्ष पूरे होने पर मनी रजत जयंती समारोह में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। समारोह का थीम शिक्षा, संस्कार और संस्कृति जिसमें नृत्य, नाटक, वातालाप व नाटिकाओं ने दर्शकों मंत्रमुग्ध कर दिया। साक्षरता रैली के माध्यम से छात्रों ने शिक्षा के साथ संस्कार अपनाने का संदेश भी दिया।मुख्यअतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व जिला संघ चालक डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि शिक्षा के साथ मानवीय संवेदना का विकास आवश्यक है और यह कार्य विद्यालय स्तर पर ही संभव

है। कार्यक्रम की शुरूआत सामाजसेवी पूर्व ग्राम प्रधान मनीष तिवारी, ग्राम प्रधान बबलू राय व बद्रीनाथ उपाध्याय द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई। विशिष्ट अतिथि प्रधानाचार्य अशोक कुमार, समाजसेवी विनय तिवारी, ब्रजेश पांडेय, शिक्षक अंशुमान चतुर्वेदी ,कवि व शिक्षक कन्हैयालाल सरस, लोककवि बनारसी दास खरवार आदि ने विद्यालय के उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय के गौरवशाली पूर्व छात्र अंबेश मिश्रा (पुलिस विभाग) और अभिषेक मिश्रा (रक्षा मंत्रालय) को सम्मानित किया। साथ ही शैक्षणिक सत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को कप व मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री सुरक्षा में तैनात मनोज मिश्रा, गृह विभाग में प्रमोद मिश्रा, मुरलीधर मिश्र, अजीत मिश्र, अरविंद मिश्र,आलोक चंद्र उपाध्याय, आनंद मोहन चतुर्वेदी, ग्राम प्रधान शंभू प्रसाद बरनवाल, देवानंद गिरी, रवि शंकर मिश्रा, राजकुमार राव, प्रेमलता श्रीवास्तव, बिट्टन श्रीवास्तव, अर्चना श्रीवास्तव, मानसी सिंह, मनीषा सिंह, आशुतोष त्रिपाठी, बिहारी पांडेय,सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रबंधक गोविंद लाल श्रीवास्तव ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। संचालन कवि संतोष संगम द्वारा किया गया। हिमांशु शेखर ने सभी आगंतुकों, अभिभावकों व छात्र-छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापन किया।

बोर्ड परीक्षा के टॉपर हुए सम्मानित, खिले चेहरे

माता धुपा इंटरमीडिएट कालेज सपहा में आयोजित हुआ सम्मान समारोह

बच्चों को नैतिक, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण पर दिया जाय जोर: श्री नारायण सिंह

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। माता धुपा इंटरमीडिएट कालेज सपहा में इंटर और हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा के टॉपरों को आयोजित सम्मान समारोह में मेडल, स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सोमवार को आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए प्रबंधक श्री नारायण सिंह कुशवाहा ने परीक्षा में सफल छात्र - छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बच्चों ने अपनी लगन और मेहनत से बोर्ड परीक्षा में सफल हो विद्यालय परिवार और अपने क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। बच्चों को नैतिक, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण पर दिया जाय जोर जेडीयू जिला महासचिव अमरजीत पटेल ने कहा कि आप पूरी मेहनत के साथ पढ़ाई करें तो कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं होगा। अखिल भारतीय पत्रकार

सुरक्षा समिति के जिलाध्यक्ष हृदया नन्द शर्मा और अतिथियों ने इंटर के टापर बबली जायसवाल, आदित्य तिवारी, अलिना खातून, टीपू अली, टुन्नु शर्मा, नंदनी कुशवाहा, अंश कुशवाहा, नूर सबा खातून, सोनम यादव, नंदनी कुशवाहा और हाईस्कूल की अंशिका गुप्ता, रुबीना खातून, मधु खरवार, अंजली यादव, सानिया खातून, पायल गुप्ता, अनुराधा गौंड, आंचल कुशवाहा, खुशी वर्मा, अंकुश कुशवाहा और अन्य बच्चों को सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य अभय सिंह ने सभी का स्वागत और आभार व्यक्त किया। इससे पूर्व सम्मान कार्यक्रम की शुरूआत माता सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से किया गया। इस दौरान विद्या सिंह, शिक्षक रमेश प्रसाद, अरुण प्रकाश वर्मा, सुरेश प्रसाद, प्रभुनाथ यादव, धर्मेंद्र वर्मा, रवि शंकर चौधरी, रविन्द्र वर्मा, गोरख यादव, मंगल यादव, श्रीराम कुशवाहा, राजीव कुमार सहित शिक्षकों ने बोर्ड परीक्षा के सफल छात्र - छात्राओं को बधाई दी।

लखनऊ के खजाना चौराहे पर नगर निगम का एक्शन

लखनऊ। नगर निगम ने खजाना चौराहा से स्काई हिल्टन तक दोनों पटरी पर अवैध अतिक्रमण के अभियान चलाकर कार्रवाई की। जोन-8 में हुई कार्रवाई में सड़क किनारे से अतिक्रमण को हटाया गया। इस दौरान 20 से अधिक अवैध वेंडरों के सामान जब्त किए गए। जोन 7 में इंदिरानगर में भी अवैध अतिक्रमण के खिलाफ एक्शन लिया गया। यहां पर अवैध रूप से लगाए गए ठेले, सब्जी मंडियां, फलों की दुकानें को हटाकर नगर निगम ने समान को कब्जे में ले लिया। जोन 8 में अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस बल भी मौजूद रहा। जोन-8 के जोनल अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। इस दौरान नगर निगम ने अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 15,000 रुपये का जुर्माना भी वसूला। वहीं, इंदिरा नगर सेक्टर-17 में सब्जी मंडी और आसपास की गलियों में लगाई गई अवैध दुकानों, ठेलों और गैस सिलेंडर आदि को हटाया गया। 2 ठेले, 1 गैस सिलेंडर को जब्त किया गया और 25 दुकानों को हटाया गया। नगर निगम की इस कार्रवाई का उद्देश्य इलाके में ट्रैफिक को सुचारु बनाए रखना और आम जनता की आवाजाही में हो रही दिक्कतों को दूर करना था। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि अवैध अतिक्रमण के खिलाफ लगातार एक्शन जारी रहेगा। नगर निगम जोन-3 में भी अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया। इसमें नीर रेसिडेंसी के पास जानकीपुरम विस्तार व भवानी खेड़ा चौराहे के पास कार्रवाई की गई।आम रास्तों और मुख्य मार्गों पर अवैध रूप से गुमटी, ठेले और अन्य निर्माण हुए थे। नगर निगम ने बताया कि यह अतिक्रमण आमजन की आवाजाही में बाधा बन रही थी। इससे सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी खतरनाक था। इस कारण दोनों स्थानों पर अवैध निर्माण को हटाया गया।

गन्ने की उन्नत खेती के लिए चल रहा विशेष प्रशिक्षण अभियानः करन सिंह

संवाददाता

कुशीनगर। अवध चीनी मिल ढाढा, हाटा परिक्षेत्र में कृषको को पेड़ी गन्ने का वैज्ञानिक प्रबंध, संतुलित उर्वरको का प्रयोग गन्ने में लगने वाले कीट, तथा उसके रोकथाम के उपाय, गन्ना फसल सर्वेक्षण, कृषि गन्ना नवीनतम यंत्रो आदि विषयो पर कृषको को जानकारी देने के लिए विशेष प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा रहा है।

यह जानकारी चीनी. मिल के अधिशासी अध्यक्ष श्री करन सिंह जी ने दी। श्री सिंह ने बताया कि प्रथम चरण में इन गांवो में गन्ना विकास गोष्ठी का आयोजन किया

जा रहा है। लक्ष्मीपुर बैजू टोला - हेतिमपुर, मैनपुर, बेलवा बुजुर्ग जगदीशपुर पिपरैचा, भड़गवा, पटटन, रसौली, पिन्डरा घूरदास गोपालपुर, महुअवा, बजराटार में गन्ना सगोष्ठी प्रस्तावित है। इसी क्रम में बेलवा बुजुर्ग, जगदीशपुर में आयोजित गोष्ठी में उ० प्र० गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराईच, गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने बताया कि बावग गन्ना में कल्ले निकलते समय सिचाई के बाद 50 किग्रा. यूरिया प्रति एकड़ अवश्य प्रयोग करें। जो किसान पेड़ी गन्ना फसल में खाद- उर्वरक प्रयोग नहीं किये हैं वे किसान एक एकड़ खेत में 50 किग्रा यूरिया, 50 किग्रा. डीएपी, 25 किग्रा. म्यूरेट आफपोटाश या 4 बोरी वायो पोटाश (मृदा कल्प पोटाश)प्रति एकड़ प्रयोग कर गुड़ाई कर मिट्ठी में मिला दें।

कृषक घास- खरपतवार नियंत्रण के लिए रक्षक खरपतवारनाशक मात्रा 115 मिली, व एट्राजीन 500 ग्राम दोनों को 150 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करे। वरिष्ठ गन्ना प्रबंधक देवेश गिल ने बताया कि गेट में 25 लाख गन्ने का पौधा तैयार करा कर मशीन से रोपाई कराया गया है। पेड़ी गन्ने में खाली स्थानों पर रोपाई कराया गया है। सहायक गन्ना प्रबंधक राजेश मौर्या ने गन्ना सर्वेक्षण के बारे में बताया कि सभी किसान भाईयों से अनुरोध किया कि गन्ना सर्वेक्षण के समय अपने गन्ना खेतों में अवश्य मौजूद रहे। गन्ना सुपरवाईजर राम भरोसे, रमाकान्त ने गन्ना फसल में पीहका (अग्र तना छेदक) कीट तथा चोटीवेधक (मथमुड़िया) कीट से प्रभावित पौधा को दिखाया। किसान जयनारायण सिंह, रामसरन, रामविनोद, उमेश, रामनिवास, रामसमुझ, ग्राम प्रधान बेलवा खुर्द श्री राम कुवर सिंह ने आटोमैटिक केन प्लान्टर मशीन से बोया गन्ना दिखाया गया।

संक्षिप्त डायरी

हमीरपुर की सिसोलर पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त को दो किलो पांच सौ ग्राम अवैध गांजे के साथ किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की सिसोलर पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत दो किलो पांच सौ ग्राम अवैध गांजे के साथ थाना क्षेत्र के ग्राम परेहटा निवासी 32 वर्षीय हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त रोहित शर्मा पुत्र लल्लू शर्मा को गिरफ्तार कर मु0अ0सं0 48/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट दर्ज कर अदालत में पेश किया। सिसोलर पुलिस ने बताया कि पकड़े गये अभियुक्त के खिलाफ आधा दर्जन के ऊपर संगीन धाराओं में मामले पहले से ही दर्ज हैं। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली बात पुलिस टीम में खासतौर से एस आई जयकुमार सिंह, हैड कांस्टेबल लवलेश कुमार,कांस्टेबल नवीन कुमार सहित कांस्टेबल भगवान सिंह शामिल रहे।

हमीरपुर की मुस्करा पुलिस ने अवैध असलहे के साथ अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की मुस्कुरा पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत अवैध असलहा 315 बोर सहित एक जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ 19 वर्षीय अभियुक्त आर्यन पुत्र रामनारायण उर्फ मुंशी राजपूत को गहरौली खरेला मार्ग ग्राम गहरौली से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0 78/2025 धारा 9(1)ए (1)/25(2) आर्म्स एक्ट के अभियुक्त के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। मुस्कुरा पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ आधा दर्जन संगीन मामले पहले से ही दर्ज हैं, जबकि अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस आई राजीव कुमार साहू सहित कांस्टेबल विपिन कुमार शामिल रहे।

डाकघर अल्प बचत अभिकर्ता संघ के अजय गुप्ता बने जिलाध्यक्ष

संवाददाता

कुशीनगर। जनपद कुशीनगर के अल्प बचत अभिकर्ताओं की एक मिटिंग बौद्ध संग्रहालय कुशीनगर में आयोजित कार्यक्रम में डाकघर के अभिकर्ताओं ने भाग लिया। जिसमें जिला अभिकर्ताओं द्वारा अजय गुप्ता अभिकर्ता प्रधान डाकघर पडरौना को जिले का अध्यक्ष चुना गया। संगठन के राष्ट्रीय महासचिव मनोज कुमार मिश्रा, प्रदेश महासचिव हरेराम गुप्ता, गोरखपुर जिला अध्यक्ष रामनाथ श्रीवास्तव अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। मिटिंग में समस्या और भविष्य में संगठन की रणनीति पर सभी ने अपने विचार रखे। मिटिंग के दौरान 16/17 जून को अयोध्या में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल बनाने पर सभी ने सहयोग और सहमति व्यक्त किया। चुनाव अधिकारी प्रेम शंकर सिंह सुर्यवंशी ने जनपद के जिला अध्यक्ष के नाम की घोषणा किया। नन्द लाल जायसवाल प्रदेश उपाध्यक्ष ने सभी का आभार प्रकट किया। इस दौरान राघवेन्द्र नाथ पाण्डेय, रामू यादव, श्रीमती पार्वती देवी ने अपना विचार रखा। अन्त में पहलगाम में आयोजित आतंकी हमले की निंदा करते हुए एक शोक सभा किया गया और मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

चंदन की प्रतिमा अनावरण रोकने पर प्रशासन को दी चेतावनी

कासगंज । सोमवार को साध्वी प्राची ने एक कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने स्थानीय कार्यकर्ता के यहां आयोजित शांति सभा में हिस्सा लिया। साध्वी प्राची ने चंदन गुप्ता की प्रतिमा के अनावरण मुद्दे पर प्रशासन को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में तिरंगा यात्रा के दौरान चंदन गुप्ता की हत्या हुई थी। इसके बाद उनकी प्रतिमा स्थापित की गई। प्रशासन इस प्रतिमा का अनावरण नहीं करने दे रहा है। साध्वी ने कहा कि अगर प्रतिमा का अनावरण नहीं हुआ, तो वह खुद इस कार्य के लिए आगे आएगी। साध्वी प्राची ने पहलगाम में हुए हमले की निंदा की। उन्होंने इसे देश के हिंदुओं के लिए चिंता का विषय बताया। उन्होंने लोगों से अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की अपील की।

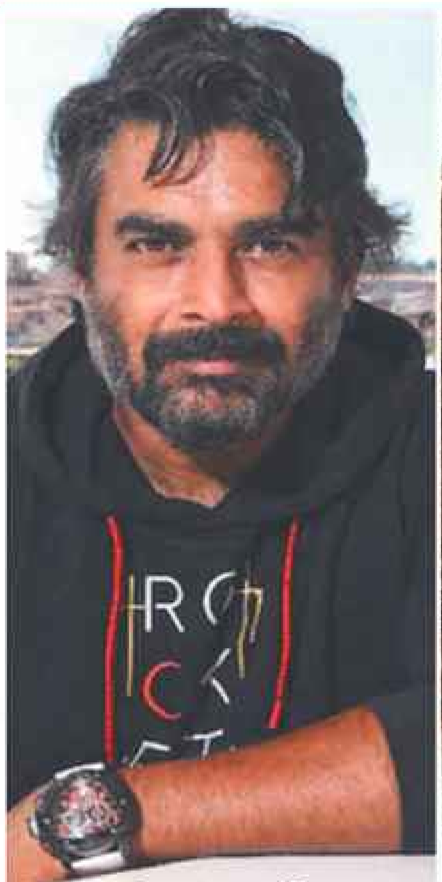

अच्छी रोमांटिक फिल्मों की कमी पर बोले आर माधवन

आर माधवन हाल ही में फिल्म केसरी चैप्टर 2 में नजर आए थे। फिल्म में उन्होंने नेविल मैकिनले का किरदार निभाकर हर किसी का दिल जीत लिया। इस फिल्म के बाद अब माधवन आप जैसा कोई फिल्म में नजर आएंगे। इसी फिल्म के एक इंटरव्यू के दौरान जब आर माधवन से रोमांटिक फिल्मों को लेकर एक सवाल पूछा गया तो एक्टर ने जवाब में शाहरुख की तारीफ की और कहा कोई भी शाहरुख खान जैसा नहीं कर सकता.....

रोमांटिक फिल्मों को लेकर माधवन की राय न्यूज 18 डॉट कॉम की एक खबर के मुताबिक, आर माधवन जल्द ही नई फिल्म आप जैसा कोई में नजर आने वाले है, जो एक प्रेम कहानी है, जिसमें वे फातिमा सना शेख के साथ नजर आएंगे। माधवन का मानना है कि वृद्ध पुरुषों और महिलाओं की प्रेम कहानियां बहुत रोमांटिक होती है, लेकिन ऐसी कहानियां कम बन रही हैं। उन्होंने हॉलीवुड फिल्म ऐज गुड ऐज इट गेट्स का उदाहरण दिया और कहा कि भारतीय सिनेमा में ऐसी परिपक्व प्रेम कहानियों का अभाव है।

कैसी होना चाहिए स्क्रिप्ट

माधवन ने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर हाल में कोई यादगार भारतीय रोमांटिक फिल्म नहीं आई। उन्होंने कहा कि उनकी उम्र (55 साल) के लिए उपयुक्त प्रेम कहानियां तो और भी मुश्किल से मिलती हैं। उनके मुताबिक, उनकी पीढ़ी प्यार और रिश्तों की गहराई को बेहतर समझती है, लेकिन अच्छे लेखकों की कमी है जो ऐसी कहानियां लिख सकें। उन्होंने यह भी कहा कि अगर प्रेम कहानियां अच्छी तरह से लिखी जाएं, तो वे दर्शकों को जरूर पसंद आएंगी।

शाहरुख को लेकर कही खास बात

आर माधवन ने शाहरुख की तारीफ की और उनका मानना है कि रोमांटिक फिल्मों के लिए शाहरुख जैसा कोई नहीं है। दरअसल, शाहरुख खान को रोमांस का बादशाह बताते हुए आर माधवन ने कहा कि उनके जैसा रोमांस कोई नहीं कर सकता।

आर माधवन जल्द ही फिल्म आप जैसा कोई में नजर आने वाले हैं। यह एक रोमांटिक फिल्म है, जिसे विवेक सोनी ने निर्देशित किया है और करण जौहर की धर्माटिक एंटरटेनमेंट ने बनाया है। यह दो अलग-अलग व्यक्तियों की दिल छू लेने वाली प्रेम कहानी है। इस फिल्स से पहले आर माधवन फिल्म केसरी चैप्टर 2 मे नजर आए थे। केसर 2 में माधवन के अलावा अक्षय कुमार और अनन्या पांडे ने अहम भूमिका निभाई है।

दीपिका और मेरे बीच कोई तुलना ही नहीं

अनुष्का शर्मा और दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की दो सबसे मशहूर एक्ट्रेसेस हैं। दीपिका ने साल 2007 में बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था, जबकि अनुष्का ने एक साल बाद 2008 में एक्टिंग की तरफ कदम बढ़ाया। बॉलीवुड में कैटफाइट के कई किस्सों में से एक किस्सा अनुष्का और दीपिका का भी है। अनुष्का शर्मा और दीपिका एक ही शहर से हैं और उन्होंने एक ही कॉलेज, माउंट कार्मेल कॉलेज से पढ़ाई भी की है। अनुष्का ने कहा था कि उन्हें लेकर इतनी गॉसिप हुई हैं कि जब दोनों आमने-सामने मिलती हैं, तो उस समय वास्तव में सिचुएशन ऑकवर्ड हो जाता है।

अनुष्का और दीपिका की कैटफाइट के किस्से

ये कहानी उन दिनों की है जब अनुष्का और दीपिका की कैटफाइट के किस्से खबरों की सुर्खियां रहा करते थे। अपने काम में माहिर दोनों एक्ट्रेसेस करियर में आगे बढ़ रही थीं। एक बार अनुष्का ने एक इंटरव्यू में दीपिका की खिंचाई की थी और कहा था कि वह लोगों को नीचा दिखाना पसंद नहीं करतीं।

दीपिका और मेरे बीच कोई तुलना नहीं है

बता दें कि अनुष्का ने कथित तौर पर पहले रणवीर सिंह को डेट किया था जो दीपिका के हसबैंड हैं। वहीं अनुष्का अब क्रिकेटर विराट कोहली की पत्नी हैं। एक इंटरव्यू में अनुष्का शर्मा ने दीपिका पादुकोण के साथ अपने रिश्ते को लेकर कहा था, दीपिका और मेरे बीच कोई तुलना नहीं है। हममें कोई समानता नहीं। हम दोनों अलग-अलग तरह की फिल्में करते हैं। बल्कि, उन्होंने और भी ज्यादा फिल्में की हैं। मैं बहुत ही चुनिंदा रही हूं। मैंने मेरे सामने आए हर रोल को नहीं चुना।

दीपिका और सोनम पर कॉमेंट

एक पुराने इंटरव्यू में अनुष्का शर्मा से किसी जर्नलिस्ट ने पूछा था कि उन्हें सोनम कपूर और दीपिका पादुकोण की तरह इंडस्ट्री में क्यों नहीं जाना जाता? इस पर अनुष्का ने कहा कि उन्होंने लगातार तीन हिट फिल्में दी हैं और उन्हें उनके टैलेंट के लिए जाना जाता है। दीपिका और सोनम पर कॉमेंट करते हुए अनुष्का ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि उन्हें उन दोनों एक्ट्रेसेस की तरह क्यों नहीं पहचाना जाता, लेकिन वह वास्तव में खुश हैं कि उन्हें उनके टैलेंट और काम के लिए लोग जानते है न कि उनके कपड़ों और कॉन्ट्रोवर्सी के लिए।

हम खुद को कूल कहते हैं लेकिन असल में हम कूल नहीं हैं

एक इंटरव्यू में अनुष्का शर्मा से उनके और दीपिका के बीच कोल्ड वॉर को लेकर सवाल किया गया था। इस पर, एक्ट्रेस ने कहा था कि वो काम करने के लिए इंडस्ट्री में हैं, किसी से लड़ने के लिए नहीं। उन्होंने ये भी कहा था, दीपिका के एक दोस्त ने फोन करके बताया कि वो ये जवानी है दीवानी कर रही है, अनुष्का नहीं। मेरे दोस्त फोन नहीं करते, है न? कश्यप और हिरानी मेरे साथ फिल्में करना पसंद करते हैं। वह अयान और किसी और की पसंद हैं। मैं कभी किसी को नीचा नहीं दिखाती। यही बात मुझे अच्छा बनाती है, है न? मुझे लेकर बकवास करना बंद करो क्योंकि मैं तुम्हारे लिए ऐसा नहीं करती। हम खुद को कूल कहते हैं लेकिन असल में हम कूल नहीं हैं। मैं यह नहीं कह रही कि मैं किसी से बेहतर या खराब हूं। मैं खुद बहुत अच्छी स्थिति में हूं और कोई भी मेरा मजाक उड़ाकर इसे मुझसे नहीं छीन सकता।

अपने ऐड की फीस में कटौती को लेकर बोलीं वहीं एक इंटरव्यू में अपने ऐड की फीस में कटौती को लेकर बोलेत हुए अनुष्का शर्मा ने कहा था, मुझे ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। मेरे पास काफी सारे ब्रैंड हैं और उनमें से हर एक ने कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू किया है, उनमें से कुछ ने तीसरी बार ऐसा किया। मुझे नहीं लगता कि और एक्ट्रेसेस के साथ ऐसा हो रहा है। मैं ज़रूर कुछ सही कर रही हूं।

मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स में नजर आएंगे शाहरुख खान?

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान अब हॉलीवुड में नजर आ सकते हैं। कहा जा रहा है कि वह मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स (एमसीयू) का हिस्सा बन सकते हैं। यह खबर सोशल मीडिया पर मार्वल लीक्स नाम के एक्स हैंडल ने दी है।

एक्स पोस्ट से फैंस उत्साहित

शाहरुख की तस्वीर के साथ साझा की गई इस जानकारी ने फैंस मे उत्साह जगा दिया। पोस्ट में दावा किया गया है कि शाहरुख और मार्वल स्टूडियोज के बीच एक प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत चल रही है। हालांकि, यह साफ कर दिया गया कि यह प्रोजेक्ट आगामी फिल्म 'एवेंजर्स- डूम्सडे' का हिस्सा नहीं है। अगर यह खबर सही साबित हुई तो शाहरुख बॉलीवुड के उन चुनिंदा सितारों में शामिल हो जाएंगे जो मार्वल की इस विशाल दुनिया का हिस्सा बने हैं।

मार्वल के साथ शाहरुख की बातचीत

शाहरुख खान मार्वल स्टूडियोज के साथ एक भविष्य के प्रोजेक्ट के लिए शुरुआती बातचीत में हैं (यह एवेंजर्स-डूम्सडे नहीं है)। इस ट्वीट ने फैंस के बीच हलचल मचा दी। हालांकि, न तो मार्वल स्टूडियोज और न ही शाहरुख की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि हुई है। अगर ऐसा होता है तो फरहान अख्तर, हरीश पटेल, और मोहन कपूर जैसे अभिनेताओं की लिस्ट में शाहरुख खान भी शामिल हो जाएंगे।

हॉलीवुड सितारों को पसंद हैं किंग खान

मार्वल की फिल्मों में काम कर चुके कई अभिनेता को पसंद शाहरुख खान काफी पसंद है। हाल ही में 'कैप्टन अमेरिका-ब्रेव न्यू वर्ल्ड' के स्टार एंथनी मैकी ने शाहरुख को अपनी पसंदीदा बॉलीवुड हस्ती बताया था। मैकी ने शाहरुख को कमाल का अभिनेता बताते हुए जमकर तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि वह उनके साथ भारत के किसी द्वीप पर उड़ान भरना चाहेंगे। उनकी फिल्म में हिंद महासागर में एक इटर्नल के उभरने की कहानी दिखाई गई थी, जिसने भारत से एक सुपरहीरो या विलेन के उभरने की संभावना को जन्म दिया था। इसके अलावा डॉक्टर स्ट्रेंज यानी बेनेडिक्ट कंबरबैच भी शाहरुख के टैलेंट की तारीफ कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि शाहरुख जैसे सितारे मार्वल की दुनिया में शानदार योगदान दे सकते हैं। 'मिस मार्वल' सीरीज में कमाला उन्हें अपना पसंदीदा अभिनेता बता चुकी हैं। साथ ही, 'स्वदेस' का गाना 'डेडपूल 2' में भी सुनाई दे चुका है।

किंग में जल्द आएंगे नजर

वर्क फ्रंट की बात करें तो डंकी के बाद शाहरुख खान जल्द ही किंग में नजर आ सकते हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिषेक बच्चन और सुहाना खान भी हैं। फिल्म का निर्देशन पठान बना चुके सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। पहले इस फिल्म का निर्देशन सुजॉय घोष कर रहे थे, लेकिन बाद में उन्होंने खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया।

भूल चूक माफ के अलावा इन फिल्मों में नजर आएंगी वामिका गब्बी, शुरू हुई शूटिंग

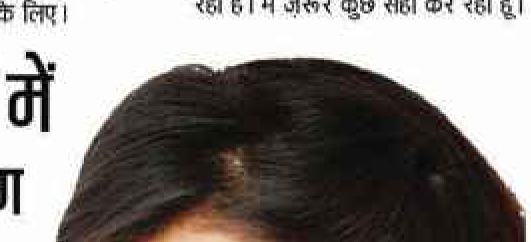

फिल्म भूल चूक माफ 9 मई को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में राजकुमार राव और वामिका गब्बी अहम किरदार में हैं। वामिका गब्बी हिंदी के अलावा पंजाबी और तमिल सिनेमा में नजर आती हैं। वामिका गब्बी इससे पहले जब वी मेट, लव आज कल और मौसम जैसी फिल्मों मे भी नजर आ चुकी हैं। ऐसे में आज हम आपको बता रहे हैं कि वामिका गब्बी आगे किन फिल्मों में नजर आएंगी।

दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग

दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग फिल्म का एलान पिछले साल नवंबर में किया गया था। नवंबर में ही फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी थी। इस फिल्म में वामिका गब्बी के अलावा जया बच्चन, सिद्धांत चतुर्वेदी और स्वानन्द किरकिरे साथ में काम करने वाले हैं। यह फिल्म इमोशनल ड्रामा होगी। इस फिल्म की रिलीज की तारीख का ऐलान नहीं किया गया है।

भूत बंगला

भूत बंग्ला फिल्म साल 2026 में रिलीज होने वाली है। फिल्म के नाम से ही लग रहा है कि यह फिल्म हॉरर होगी। हालांकि यह फिल्म हॉरर कॉमेडी फिल्म है। फिल्म में वामिका गब्बी के अलावा अक्षय कुमार होंगे। इसका निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं।

किकली

किकली फिल्म पंजाबी फिल्म है। फिल्म का निर्देशन कवि राज कर रहे हैं। फिल्म में वामिका गब्बी के अलावा मैंडी टाखर और जोबनप्रीत सिंह होंगे। इसे जोबनप्रीत सिंह, कमलजीत सिंह और मैंडी टाखर ने लिखा है।

टीकी टाका

टीकी टाका फिल्म मलयालम फिल्म है। इसकी शूटिंग जारी है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं। फिल्म में असिफ अली, लुकमान अवरान और वामिका गब्बी हैं। फिल्म को फिरोज नजीब, नियोग और यदु पुष्पाकरण ने लिखा है।

जी2

जी2 तेलुगु फिल्म है। यह जासूसी थ्रिलर फिल्म है। फिल्म में वामिका गब्बी के अलावा अदिवी सेष, इमरान हाशमी और मधु शालिनी हैं। फिल्म का निर्देशन विनय कुमार श्रीजनी कर रहे हैं। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई फिल्म गुडाचारी की सीक्वल है।

हम आउटसाइडर के लिए राह आसान नहीं होती

इंडस्ट्री में लगभग 15 साल बिता चुके दर्शन कुमार उन अभिनेताओं में से हैं, जिन्होंने संघर्ष भी खूब किया, मगर उन्हें उस स्ट्रगल का फल भी मिला। कई यादगार फिल्में कर चुका ये अदाकार एक समय छोटे पर्दे पर भी काफी लोकप्रिय रहा। मगर बीते कुछ सालों में दर्शन ने ओटीटी पर सराहनीय काम किया है। आश्रम सीरीज का उजागर सिंह जैसा पॉजिटिव किरदार हो या फिर द फैमिली मैन का नेगेटिव चरित्र मेजर समीर, दर्शकों ने उन्हें काफी पसंद किया है।

एक वो भी दौर था जब इस मायानगरी में आपको कोई जानता नहीं था, मगर अब सोशल मीडिया हो या आम लोग, आपकी फैन फॉलोइंग में काफी इजाफा हुआ है?

हां, वाकई ये काफी कमाल की यात्रा रही है। हाल ही में मैं फैमिली मैन थ्री की शूटिंग के लिए लंदन में था। हमें भूख भी काफी लग रही थी और हमने काफी अच्छे से ऑर्डर दिया। खा -पी कर जब मैंने बिल देने के लिए होटल वाले को अपना कार्ड दिया, तो वो बोले, मैं उजागर सिंह (आश्रम में उनके किरदार का नाम) से पैसे कैसे ले सकता हूं? वो अच्छा-खासा बिल था। मैंने काफी आग्रह किया, इसके बावजूद उन लोगों ने बिल नहीं लिया। फिर और एक बात हुई। वहां बादाम और मैदे का केक था, जो मैदा होने के कारण मैं खा नहीं सका था, मगर तभी देखता हूं कि होटल वालों ने मेरे लिए खास तौर पर आटे और बादाम का केक बना कर दिया। मैं तो उनके इस जेस्चर से काफी भावुक हो गया। ऐसा मेरे साथ लंदन के कई रेस्त्रां में हुआ, जहां लोग मुझसे बिल के पैसे लेने को राजी नहीं थे। लंदन के एक फेमस क्लब में यही हुआ। हम दस-बारह लोगों ने खाया, मगर होटल वालों को बिल नहीं बल्कि मेरे साथ तस्वीर खिंचवानी थी। आज मैं इंडिया हो या विदेश कहीं भी जाता हूं, तो लोग मुझे बहुत प्यार देते हैं। मगर मैं वो दिन नहीं भूल सकता, जब मैं मुंबई में दर-दर की ठोकरें खाया करता था।

ऐसा कोई रिजेक्शन जो आप पर बहुत भारी पड़ा हो?

रोल्स के लिए कई बार नकारे जाने के दर्द से गुजरा हूं, मगर एक रिजेक्शन मुझे सदमा दे गया। बहुत बड़ी फिल्म थी। निर्देशक भी काफी दिग्गज थे। मैं उनका नाम नहीं बताना चाहूंगा, मगर उस मेन रोल के लिए नसीर सर (नसीरुद्दीन शाह) ने मुझे रिकमंड किया था। मैंने ऑडिशन दिया और मैं चुन लिया गया। मैं बहुत खुश और उत्साहित था, क्योंकि उस फिल्म में मुझे एक साथ मुझे पांच कैरेक्टर करने का मौका मिलने वाला था। उस भूमिका के लिए मुझे अपने बाल और दाढ़ी बढ़ानी। थी मैंने पूरे साल भर तक उस रोल के लिए तैयारी की थी। उस दौरान मेरे पास जो रोल आए मैं उनके लिए मना करता चला गया, क्योंकि मैं फिल्म के लिए खास लुक में था। मगर उस वक्त मुझ पर मुझ पर गाज गिर गई, जब एक साल तक लगे रहने के बाद मुझे बुलाकर कहा गया कि हम आपको ये रोल नहीं दे सकते। हम किसी नए कलाकार पर इतना बड़ा दांव नहीं खेल सकते। ये सुनकर मेरे पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। उन्होंने किसी दूसरे एक्टर को कास्ट किया। हालांकि रिलीज के बाद वो फिल्म चली नहीं, मगर मेरा तो एक साल बर्बाद हुआ, मुझे एक रुपया नहीं मिला।

क्या आपने अपने करियर में इनसाइडर और आउटसाइडर वाली फीलिंग महसूस की है?

ये तो फिल्म जगत की सचाई है। इनसाइडर को सब कुछ बना-बनाया मिलता है। उनके पास रिसोर्सेज होते हैं और उन्हें पूरी इंडस्ट्री सपोर्ट करती है, मगर हम आउटसाइडर के लिए राह आसान नहीं होती। जब मेरी फिल्म मैरी कॉम आई थी, तो मेरी भूमिका हर अवॉर्ड में नॉमिनेटेड थी। यदि मैं इंडस्ट्री से होता, तो मुझे सम्मानित किया जाता और मैं किसी और मुकाम पर हो सकता था। मेरी जितनी भी फिल्में चाहे एनएच 10, मैरी कॉम, धोखा, कश्मीर फाइल्स हों या वेब सीरीज आश्रम, फैमिली मैन हो, मेरा काम जितना अच्छा रहा है, उसे देखते हुए तो इंडस्ट्री को मुझे सिरआंखों पर बैठाना चाहिए, मगर चूंकि मैं आउटसाइडर हूं, तो मुझे लगातार खुद को साबित करते रहना पड़ता है। मगर एक बात जरूर कहूंगा कि अंत में चलता तो आपका टैलेंट ही है। बड़े निर्देशक चाहते हैं कि वे मेरे साथ फिल्म बनाएं, तो वो भी यही कहते हैं कि आपको लेकर फिल्म बनाना है, मगर बजट ज्यादा बैठ रहा है, निर्माता को रिकवरी की चिंता है। मुझे इंडस्ट्री के सपोर्ट की जरूरत है, निर्माता-निर्देशकों के भरोसे की दरकार है। आज कंटेंट का दौर है। अब मेरी 8 करोड़ की फिल्म (कश्मीर फाइल्स) ने 400 करोड़ कमाए ही न?

आश्रम में आप एक पॉजिटिव किरदार में यहीं, जबकि द फैमिली मैन में नेगेटिव, आपके अंदर के राम और रावण क्या हैं?

मेरे अंदर का राम यही है कि मैं बहुत दयालु हूं। असल जिंदगी मैं बहुत इमोशनल भी हूं। सभी को एक समान इज्जत देता हूं। कोशिश करता हूं, किसी का दिल न दुखाऊं। जहां तक मेरे भीतर के रावण की बात है, तो वो है मेरा गुस्सा। मैं जाट हूं और हमारे बारे में कहा जाता है कि प्यार के नाम पर हम अपनी जान भी दे सकते हैं, मगर यदि हमारी इज्जत की बात आए, तो हम मरने-मारने पर उतारू हो जाते हैं। अपने गुस्से पर काबू पाने के लिए मैंने मेडिटेशन शुरू किया है, जिसका मुझे काफी फायदा हो रहा है। कॉलेज के दिनों में इसी गुस्से के चलते कई बार मारपीट कर चुका हूं।

समाचार गेट
HARHIN11560

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) ... प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर 61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: ... शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

रेडक्रॉस भवन में मनाया मनोहर लाल खट्टर का जन्मदिवस

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। विक्रम सिंह, उपायुक्त एवं प्रधान जिला रेडक्रॉस सोसायटी फरीदाबाद के कुशल मार्गदर्शन व अंकुश मिगलानी, उपाध्यक्ष व महेश जोशी अग्रवाल महासचिव भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ से प्राप्त निर्देशानुसार मनोहर लाल खट्टर माननीय केंद्रीय मंत्री, आवास और शहरी मंत्रालय, भारत सरकार के जन्मदिवस के अवसर पर आज रेडक्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद कार्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में कृष्ण कुमार चोपड़ा, महासचिव मूक बधिर कल्याणकारी संस्था, हरियाणा चंडीगढ़ बत्तौर मुख्य अतिथि उपस्तिथ रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ रक्तदान शिविर के साथ हुआ जिसमे मुख्य अतिथि द्वारा रक्तदाताओं का हौसला अफजाई की गई। इसके पश्चात नशा मुक्ति केंद्र में पौधा लगाकर आमजन को पौधा लगाने का आवाहन किया तथा भर्ती मरीजों को फल वितरण किये गए। इसी दिन रेडक्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद के उपाधीक्षक, पुरषोत्तम सैनी का भी जन्मदिन मनाया गया, जिसके तहत रेडक्रॉस में पंजीकृत 70 टी बी के मरीजों को प्रोटीन डाइट प्रदान की गयी तथा लंगर प्रसाद भी वितरित किया गया, बत्रा हॉसपिटल की टीम के द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया, तथा बी के हॉसपिटल की टीम के द्वारा 40 रक्त यूनिट एकत्रित एकत्रित की गई। उक्त कार्यक्रम में जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव बिजेंद्र सोरोत ने अतिथियों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया एवं पुरषोत्तम सैनी, उप अधीक्षक ने सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को मनोहर लाल खट्टर माननीय केंद्रीय मंत्री, आवास और शहरी मंत्रालय, भारत सरकार के जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी के आजीवन सदस्य एवं विषय विशेषज्ञ आपदा प्रबंधन डॉ एमपी सिंह ने मंच का संचालन किया तथा रक्तदान और अन्नदान को लेकर विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री को जन्म दिवस की सुभकामनाये दी। केंद्रीय मंत्री के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में इनर व्हील क्लब की प्रधान पूजा जैन तथा उनकी सहयोगी मुक्ता जैन, सुनीता गुप्ता, एकता रमन, शालू गोयल ने गर्मियों को महेनजर रखते हुए रेडक्रॉस नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती मरीजों के लिए सुविधा हेतु 2 कूलर दान स्वरुप भेट किये।

इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद के सरंक्षक जगदीश सहदेव, विमल खंडेलवाल, महेश गट्टानी, उप सरंक्षक बीरेंदर गौर, सुनील कुमार, सदस्य सी डब्लू सी, अलायंस क्लब के गवर्नर के जी अग्रवाल, योगेंद्र तेवतिया लायंस क्लब डेफोडिल्स, रोटेरियन एच एल भूटानी, अनिल अरोरा लायंस क्लब के गवर्नर,अजय कुमार, सी ए अजीत सिंह पटवा, बीरेंदर नायब तहसीलदार, कमलेश शास्त्री, अजय सोरवंशी, प्रवक्ता दर्शन भाटिया, मीनू कौशल, प्रेम चंद गौर, सिद्धार्थ प्रताप, मिनाक्षी गोयल, लक्ष्य सैनी, संजीव सैनी, बृजेश सैनी, सुभाष सैनी, जितेंदर धर्मबीर, आजीवन सदस्य मनोज बंसल, आर पी हंस, निर्मल गोयल, प्रताप सिंह आजीवन सदस्य, संतोष कुमार सैनी, जसवंत पंवार तथा रेड क्रॉस सोसाइटी से इशांक कौशिक जिला प्रशिक्षण अधिकारी , सुशिल कुमार प्रोजेक्ट मैनेजर, अरविंद कुमार, मनदीप, सुगम, रामबरन, रामकिशोर, अशोक, गुड्डी, कमलेश, रुचि, हितेश, मधु भाटिया, सोनिका एवं अन्य सामाजिक संस्थानों से गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे एवं सभी ने पुरषोत्तम सैनी को जन्मदिवस की सुभकामनाये दी।

श्री श्याम चैरिटेबल हॉस्पिटल का उद्घाटन करने पहुंची बहन चित्रलेखा

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ तिगांव रोड पर खुला श्री श्याम चैरिटेबल हॉसपिटल, हॉसपिटल का उद्घाटन करने पहुंची बहन चित्रलेखा डायरेक्टर गृह,मंत्रालय, मुख्य अतिथि सुरेश शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष जय हिंद मंच, बृजभूषण सैनी राष्ट्रीय अध्यक्ष देव सेना, डॉ. मंजू शर्मा जज, नवीन जय हिंद मंच।

बहन चित्रलेखा ने कहा बढ़ती महंगाई को देखते हुए मध्यवर्गीय परिवारों के लिए, एजुकेशन हेल्प चैरिटेबल ट्रस्ट हलह की तरफ से खोला गया श्री श्याम चैरिटेबल हॉसपिटल जिसमे आधी कीमत में अच्छा इलाज होगा, एजुकेशन हेल्प चैरिटेबल ट्रस्ट एवं हॉसपिटल के संस्थापक महेंद्र गहलावत ने बताया की संस्था द्वारा 2100 रुपए का मेंबरशिप का कार्ड बनाया जा रहा है, जिसमे की 1100 रुपए हलह की और 1000 रुपए हॉसपिटल की मेंबरशिप ले सकते है, यदि कोई व्यक्ति हलह की मेंबरशिप नहीं लेना चाहता है तो वह हॉसपिटल की मेंबरशिप ले सकता है दोनों ही मेंबरशिप एक साल के लिए मान्य होगी, हॉसपिटल की मेंबरशिप कार्ड जिस व्यक्ति के नाम होगा उसको एक साल तक ओपीडी फ्री होगी ओर उस कार्ड में जितने मेंबर जोड़े होंगे उनको 50 प्रतिशत छूट होगी, महेंद्र गहलावत ने बताया यदि कोई व्यक्ति बिना मेंबरशिप के हॉसपिटल आता है तो उनके लिए ओपीडी 100 मात्र रखी गई है, सुरेश शर्मा ने कहा हॉसपिटल का उद्घाटन किया गया है, यह ट्रस्ट का कार्य है आप सबके सहयोग से चलता है यदि कोई भी व्यक्ति सहयोग करना चाहता है श्री श्याम चैरिटेबल हॉसपिटल नियर शमशान घाट तिगांव रोड पर आ सकता है यदि कोई संपर्क करना चाहे तो 9599582169 इस नंबर पर संपर्क कर सकता है, उद्घाटन में आए हुए सभी लोगों का महेंद्र गहलावत चेयरमैन, धरम वीर गहलावत वाइस चेयरमैन, सुमन ट्रस्ट, सुमन शर्मा महासचिव, अर्जुन सिंह सचिव, आशु कोषाध्यक्ष, मोहित सक्सेना मीडिया प्रभारी, सतीश एडवाइजर, दीपक झा, वह सी.ई.ओ. डॉ. राम राजपूत ओर उनकी पूरी टीम ने दिल से धन्यवाद किया और कहा एक बार हमें सेवा का मौका जरूर दे।

अग्रवाल कॉलेज में बी.कॉम स्नातक के छात्रों के लिए विदाई समारोह किया आयोजित

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लभगढ़। अग्रवाल कॉलेज में बी.कॉम स्नातक छात्रों (2024–25 बैच) के लिए एक भावुक विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 90 छात्रों ने भाग लिया, जिसमें उनके कॉलेज जीवन का उत्सव मनाया गया और उन्हें स्नेह पूर्वक विदाई दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। छात्रों ने विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, साथ ही अपने यादगार अनुभव, उपलब्धियाँ और कॉलेज जीवन की यादें साझा कीं। उन्होंने अपने जूनियर्स को बहुमूल्य सुझाव भी दिए और अपने भविष्य की योजनाओं की झलक प्रस्तुत की। वाणिज्य विभाग की विभागा अधक्ष्या डॉ. शोभना गोयल ने बताया कि विधार्थियों को बड़ों का सम्मान व छोटों से प्रेम करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने विधार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस कार्यक्रम का आयोजन अग्रवाल कॉलेज बल्लबगढ़ की गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार गुप्ता एवं जनरल सेक्रेटरी दिनेश गुप्ता के कुशल दिशा निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. जयपाल सिंह ने छात्रों को शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। निर्णायक मंडली ने छात्रों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। कार्यक्रम में संकाय सदस्यों डॉ. शोभना गोयल, डॉ. रेखा सैन, डॉ. परवीन गुप्ता, डॉ. डिंपल, श्रीमती पूजा, डॉ. रचना, डॉ. पंकज, सुश्री नेहा और सुश्री नेहा रानी ने सक्रिय भागीदारी की। समारोह का समापन मिस फेयरवेल और मिस्टर फेयरवेल खिताब की घोषणा के साथ हुआ। विदाई समारोह में मिस्टर फेयरवेल श्री विकास तथा मिस फेयरवेल सुश्री अंजलि रहीं। इस समारोह में धन्यवाद ज्ञापन डॉ रेखा सेन ने किया। यह कार्यक्रम उत्साह, उल्लास और भावनात्मक पलों से भरपूर रहा, जो 2024–25 बैच के बी.कॉम छात्रों के लिए एक अविस्मरणीय विदाई बन गया।

पुलिस का अवैध हथियार रखने वालों पर प्रहार, अलग-अलग मामलों में 2 आरोपी गिरफ्तार

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। अवैध हथियार रखने वालों पर फरीदाबाद पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है, इसी क्रम में कार्रवाई करते हुए क्राईम ब्रांच ङ्कञ्जस् व क्राईम ब्रांच ष्ठरुस्न की टीम ने अवैध हथियार रखने वाले 2 आरोपियों को 2 देसी कट्टा सहित गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि 04 मई को क्राईम ब्रांच AVTS व क्राईम ब्रांच DLF की टीम ने अपने गुप्त सुत्रो से प्राप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए क्रमश: सरफराज वासी धौज,

फरीदाबाद को गांव धौज से व ब्रिजेश वासी सेहतपुर, फरीदाबाद को पल्ला से देशी कट्टा सहित काबू किया। जिनके विरुद्ध संबंधित थानों में शास्त्र अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किए गये हैं। पुछताछ में पता सामने आया आरोपी सरफराज ने देशी कट्टा अपने दोस्त से 2500/–रू में लिया था और बिर्जेश कानपुर किसी शादी में गया था जहां देशी कट्ट पडा मिला था जिसको उसने अपने पास रख लिया। दोनो आरोपियो को पुछताछ के बाद माननीय न्यायलय मे पेश कर जेल भेजा गया है।

ब्राह्मण सभा ने बनाया भगवान परशुराम का छठी महोत्सव

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लबगढ़। बल्लभगढ़ ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव के बाद छठी के अवसर पर भगवान परशुराम की छठी ब्राह्मण समाज द्वारा बड़ी धूमधाम से ब्राह्मण धर्मशाला भीकम कॉलोनी सीही गेट बल्लभगढ़ में और बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया गया। जिसमें हवन बौद्धिक और उसके बाद भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि रहे पूर्व कैबिनेट मंत्री वर्तमान में विधायक मूलचंद शर्मा व उनके बड़े भाई भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा, भाई भारत भूषण, भाई गिरीश भारद्वाज,अखिल ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार बबली, योगेश गोड, टीपी शर्मा,व इस मौके पर ब्राह्मण सभा व शहर के सभी गणमान्य लोग मौजूद रहे प्रोग्राम के आयोजक बृजमोहन वशिष्ठ, ज्ञान देव वत्स, महेश शर्मा, इंद्रजीत पाराशर, सुरेन्द्र पाराशर ,कवि राजेंद्र शर्मा, हेमराज शर्मा ,प्रदीप शर्मा, विनोद शर्मा, राजपाल शर्मा ,मास्टर देवेंद्र गॉड, राधे लाल शर्मा आदि प्रमुख रहे।

घर में चोरी की नीयत से घुसने व हमला करके चोट पहुंचाने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा अपराधियों पर लगातार कार्रवाई के जारी है, उसी कड़ी में थाना धौज की टीम ने घर में चोरी की नीयत से घुसने व देखने पर हमला करके चोट पहुंचाने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता आने जानकारी देते हुए बताया कि गांव गोठड़ा मोहब्ताबाद निवासी हितेश ने थाना धौज में दी शिकायत में आरोप लगाया कि 28 अप्रैल को शाम के समय उसके घर में एक व्यक्ति घुसकर चोरी कर रहा था, जब उसकी घरवाली ने उसे देखा तो घरवाली के कान के कुंडलों को छीन लिया तथा शिकायतकर्ता की घरवाली के हाथ पर चाकू से 2/3 वार किये जिसकी शिकायत पर थाना धौज में विभिन्न धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि थाना धौज के टीम ने आरोपी उधम वासी गोठड़ा मोहब्ताबाद को गिरफ्तार

किया है। घायल महिला का मेडिकल कराया गया जिसमें blunt व सिम्पल चोटें तहरीर की गई। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी घर में चोरी करने की नीयत से घुसा था, जब उसको शिकायतकर्ता की घरवाली ने देख लिया गया तो उसने महिला पर हमला कर हाथ में लोहे की पत्ती से चोटें मारी और घर से भाग गया। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है।

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदन

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी मंडी। महिला एवं बाल विकास विभाग भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। इनमें राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के तहत बहादुरी, खेलकूद, सोशल साइंस, विज्ञान एवं तकनीक पर्यावरण सहित आर्ट एवं कल्चर के क्षेत्र में असाधारण उपलबधि हासिल करने वाले बच्चे जिनकी आयु 31 जुलाई को 5 वर्ष से लेकर 18 वर्ष तक हो, को वर्ष 2026 के जनवरी माह में आयोजित होने वाले समारोह में राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

इस बारे जानकारी देते हुए एसडीएम वीरेंद्र सिंह ने बताया कि अवार्ड की घोषणा 26 दिसंबर 2025 को राष्ट्रीय वीर बाल दिवस के अवसर पर की जाएगी उन्होंने बताया कि बाल पुरस्कार में विभिन्न श्रेणियों के तहत कुल 25 बच्चों का चयन किया जाएगा। पुरस्कारों में एक मैडल सहित प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने चयन प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि सर्वप्रथम स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा प्राप्त आवेदनों की छंटनी की जाएगी उसके उपरंत फाइनल नामों का सिलेक्शन नेशनल कमेटी द्वारा किया जाएगा।

एसडीएम ने बताया कि राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए राज्य सरकार, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन, जिला कलेक्टर/जिला मजिस्ट्रेट, पंचायती राज संस्थाएं। सभी केंद्रीय और राज्य स्कूल बोर्ड, केंद्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय संगठन, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और राष्ट्रीय जन सहयोग और बाल विकास संस्थान, सामाजिक न्याय मंत्रालय, विकलांग विभाग, शिक्षा मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा के सभी राज्य विभाग, युवा मामले मंत्रालय, खेल विभाग, भारतीय खेल प्राधिकरण, संस्कृति मंत्रालय, विज्ञान मंत्रालय और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और वन मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय और प्रेस सूचना ब्यूरो सहित राष्ट्रीय चयन समिति नॉमिनेट कर सकती हैं। पुरस्कार से जुड़ी अन्य जानकारी अवार्ड्सडॉटजीओवीडॉटइन पर देखी जा सकती हैं।

फ्री होम डिलीवरी, अखबार की कटिंग साथ लाने पर 10 प्रतिशत की छूट
संपर्क करें: 9811153271